RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381
डाक पंजीकरण संख्या MP/IDC/1619/2024-2026

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

12 वर्ष

दैनिक सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, रविवार ●22 दिसंबर , 2024 वर्षः-12 अंक -234 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

संक्षिप्त समाचार

राजधानी के वन विहार में दहाड़ेंगे जूनागढ़ के सिंह

आएगा लॉयन का जोड़ा,इन्हें मिलाकर 5 हो जाएगी संख्या

भोपाल। भोपाल के वन विहार नेशनल पार्क में गुजरात के जूनागढ़ के सक्करबाग चिड़ियाघर के सिंह दहाड़ेंगे। दो सिंह शनिवार शाम तक वन विहार पहुंच जाएंगे। वन विहार प्रबंधन की टीम इन्हें लेकर आ रही हैं। डिप्टी डायरेक्टर एस.के सिन्हा ने बताया कि एनीमल एक्सचेंज के तहत से गिर के सिंह का जोड़ा लाया जा रहा है। इनके बदले वन विहार से बाघ का जोड़ा दिया गया है। डिप्टी डायरेक्टर सिन्हा के अनुसार,

शाम तक टीम सिंह का जोड़ा लेकर वन विहार आ जाएगी। लोग इनके दीदार कब तक कर सकेंगे, यह प्रबंधन तय करेगा। हालांकि, नए साल में लोग इन्हें देख सकेंगे। अभी वन विहार में 3 सिंह है। इन्हें मिलाकर संख्या पांच हो जाएगी। गुजरात ने वन विहार नेशनल पार्क की बात 16 साल बाद मानी और चार साल के युवा सिंह का जोड़ा दिया है। इसके बदले में बांधवगढ़ नेशनल पार्क से लाए गए बाघ बी-2 और बाघिन बंदनी सक्करबाग चिड़ियाघर भेजे हैं। इनकी उम्र क्रमशः 7 और 6 साल है। 2006 से गिर के सिंह लाने के प्रयास चल रहे थे। केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण के निर्देश के बाद भी गुजरात वन विभाग व चिड़ियाघर प्रबंधन युवा बाघों के बदले बूढ़े सिंह देने की पेशकश की।

बांग्लादेश में 2 दिन में 3 हिंदू मंदिर पर हमला

कई मूर्तियां खंडित,इस साल अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा के 2200 मामले

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में पिछले कुछ वक्त से हिंदुओं के खिलाफ हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। बीते दो दिन शुक्रवार और गुरुवार को भी बांग्लादेश में तीन मंदिरों को निशाना बनाया गया। हमलावरों ने इन मंदिरों पर हमला कर कई मूर्तियों को खंडित कर दिया। बांग्लादेश के मैमनसिंह जिले में हलुआघाट पुलिस ने बताया कि हमलावरों ने शुक्रवार सुबह शाकुई संघ में बोंडेरपारा मंदिरों पर हमला कर दो मूर्तियों को खंडित कर दिया। इस घटना में

अभी तक कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है और न ही किसी की गिरफ्तारी हुई है। वहीं गुरुवार सुबह हलुआघाट में ही पोलाशकंडा काली मंदिर में पर हमला कर मूर्ति को खंडित कर दिया गया। पुलिस ने इस मामले में 27 साल के एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया है। बता दें कि भारत सरकार के अनुसार इस साल 8 दिसंबर तक बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा के 2200 से ज्यादा मामले रिपोर्ट किए गए हैं। इससे पहले बीरगंज में मंगलवार को झारबारी शासन काली मंदिर में 5 मूर्तियों को खंडित किया गया था।

प्रदेश में पहली बार खेल बजट में 586 करोड़ का प्रावधान

● सीएम बोले-खेल क्षेत्र में रतलाम बना रहा है विशिष्ट पहचान ● डॉ. मोहन यादव बोले-खेल अब पाठ्यक्रम का भी है हिस्सा

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आजादी के बाद पहली बार हमने प्रदेश में खेलों के लिए 586 करोड़ रूपये के बड़े बजट का प्रावधान किया है। मध्यप्रदेश एकमात्र ऐसा राज्य है, जहां हॉकी के लिए सर्वाधिक एस्ट्रोटर्फ होंगे। खेलों को अब पाठ्यक्रम का भी हिस्सा बनाया गया है। खेल शिक्षक भी असिस्टेंट प्रोफेसर, प्रोफेसर और कुलगुरु बन सकते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को रतलाम में चैतन्य कश्यप फाउंडेशन द्वारा आयोजित किये जा रहे खेल चेतना मेले के रजत जयंती समारोह का शुभारंभ कर संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ध्वजारोहण कर खेल चेतना मेले के शुभारंभ की घोषणा की। कार्यक्रम में सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम मंत्री चैतन्य काश्यप, सांसद सुधीर गुप्ता, सांसद श्रीमती अनीता नागर सिंह चौहान,

जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती लालाबाई शंभू लाल चंद्रवंशी, विधायक आलोट चिंतामणि मालवीय, विधायक रतलाम ग्रामीण मथुरा लाल डामोर, महापौर प्रहलाद पटेल, प्रदीप उपाध्याय, नगर निगम अध्यक्ष श्रीमती मनीषा शर्मा, सहित कई जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रतलाम में हॉकी के लिए एस्ट्रो टर्फ निर्माण, व्यवसाय को गति देने के लिए साड़ी क्लस्टर निर्माण की घोषणा की। उन्होंने कहा कि साड़ी क्लस्टर में महेश्वर, चंदेरी की तर्ज पर शहर में महिलाओं को साड़ी निर्माण से जोड़ा जाये। रतलाम के शासकीय लक्ष्मी नारायण पांडे मेडिकल कॉलेज में सभी प्रकार के हृदय संबंधी उपचार एवं ऑपरेशंस के लिए कार्डियक ब्रांच स्थापित करने की भी घोषणा की।

सेना के 'ऑपरेशन क्लीन' से शांति की ओर मणिपुर

● एक महीने में 20 उग्रवादी पकड़े,कश्मीर की तरह चला रही है प्लान ● 600 दिनों में पहली बार एक महीने से नहीं हुई हिंसा की कोई घटना

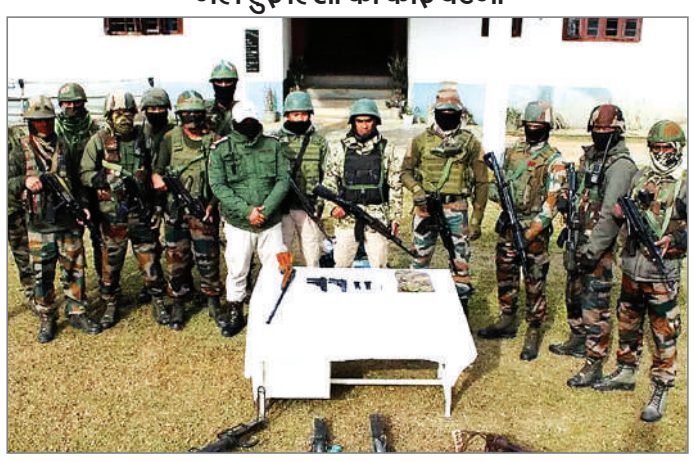

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में जातीय हिंसा के 600 दिन रविवार को पूरे हो जाएंगे। इन 600 दिनों में ऐसा पहली बार हुआ है, जब लगातार एक महीने से हिंसा की कोई घटना नहीं हुई। छिटपुट प्रदर्शन के लिए भी मैतेई-कुकी समुदायों की महिलाएं सड़कों पर नहीं उतरीं। सरकारी दफ्तर रोजाना खुल रहे हैं और स्कूल में बच्चों की तादाद बढ़ रही है। इसकी वजह यहां चल रहा सेना का कश्मीर जैसा ऑपरेशन 'क्लीन' है। कश्मीर में सेना जहां भी सर्च ऑपरेशन चलाती है, वहां पूरे इलाके को आतंक से क्लीन करने के बाद ही सामाजिक गतिविधियों को पटरी पर लाने का काम होता है। मणिपुर में भी कुछ ऐसा ही ऑपरेशन हो रहा है। 30 दिन में उग्रवादी संगठनों के 20 उग्रवादी कैडर पकड़े गए इसी ऑपरेशन का असर है कि 30 दिन में न केवल हथियार-गोला बारूद की कोई बड़ी खेप जब्त हुई है, बल्कि उग्रवादी संगठनों के 20 से अधिक कैडरों को भी दबोचा गया है। सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने भास्कर को बताया कि हमारा फोकस उग्रवाद वाले बफर इलाकों में सब कुछ न्यूट्रल करने पर है। इनमें वे इलाके भी शामिल हैं, जहां बीते डेढ़ साल में किसी की जाने की हिम्मत नहीं हुई। वहीं, पूरे राज्य में सेंट्रल आर्म्ड फोर्सेज की 288 कंपनियों में करीब 40 हजार जवान तैनात हैं। अब तक सेना ने एके-47 सीरीज की 20 से अधिक राइफल्स के साथ 7.62 एमएम एसएलआर राइफल, 5.5 एमएम इंसास राइफल, .22 राइफल, .303 राइफल, 9 एमएम पिस्टल, पोम्पी गन, सैकड़ों किलो आरडीएक्स बरामद की है। इतने हथियारों की बरामदगी पहली बार हो रही है। यह बरामदगी लगातार जारी है। पुलिस ने बताया कि 19 दिसंबर को सर्च ऑपरेशन के दौरान कई हथियार बरामद हुए। इनमें 9 एमएम कार्बाइन मशीन गन, .303 राइफल, 9 एमएम देशी पिस्टल, .32 पिस्टल, 123 जिंदा कारतूस, पोंपी गन (देशी मशीन गन), कार और मोबाइल फोन बरामद हुआ।

मुश्किल में प्रियंका,जा सकती है संसद सदस्यता!

वायनाड (एजेंसी)। केरल की वायनाड लोकसभा सीट से निर्वाचित कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। क्योंकि बीजेपी नेता नव्या हरिदास ने केरल हाई कोर्ट में कांग्रेस सांसद के खिलाफ याचिका दायर की है। नव्या ने अपनी याचिका में प्रियंका गांधी की वायनाड लोकसभा सीट से निर्वाचन को चुनौती दी है।

याचिका में दावा किया गया है कि उपचुनाव के दौरान नामांकन पत्र में प्रियंका गांधी ने खुद की और अपने परिवार की संपत्ति की सही जानकारी का उल्लेख नहीं किया है। आरोप है कि प्रियंका गांधी ने चुनावी पत्र में गलत आंकड़े बताए हैं। इस बारे में नव्य हरिदास का कहना है कि यह आदर्श आचार संहिता का उलल्घन है। उन्होंने इसे भ्रष्ट आचरण करार दिया है। केरल हाईकोर्ट में याचिका दायर होने के बाद अब प्रियंका गांधी की वायनाड से सांसदी सवालों के घेर में आ गई हैं।

अब धरना स्थल पर ही क्लास चलाने की तैयारी

भोपाल। मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग के अभ्यर्थियों का आंदोलन चौथे दिन भी जारी है। इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर और खंडवा सहित विभिन्न जिलों से करीब 20,000 छात्रों के आंदोलन स्थल पर पहुंचने का अनुमान लगाया जा रहा है। अभ्यर्थियों की तैयारी बाधित न हो, इसलिए शिक्षकों ने प्रदर्शन स्थल पर ही छात्रों को पढ़ाने का निर्णय लिया है। वहीं अरविंद सिंह भदौरिया नाम का एक छात्र बेहोश हो गया। आयोग की सद्बुद्धि के लिए अभ्यर्थी सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ करेंगे। दोपहर 3.00 बजे के बाद दंडवत परिक्रमा करने की प्लानिंग थी लेकिन उसे निरस्त कर दिया गया है। अब यह कल निकाली जाएगी। छात्रों की प्रमुख मांग है कि भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया जाए और परीक्षा प्रणाली में सुधार हो।

● चौथे दिन भी एमपीपीएससी के सामने डटे हैं 2 हजार स्टूडेंट ● अनशन पर बैठा छात्र बेहोश, दंडवत यात्रा अब आज निकलेगी

20 हजार युवाओं के पहुंचने की संभावना

नेशनल एजुकेटेड यूथ यूनियन के सदस्य राधे जाट ने कहा कि अनशन के दौरान कुछ समस्याएं आ रही हैं, लेकिन प्रदेश के युवाओं से आग्रह है कि आपका कल का उत्साह प्रेरणादायक था। आपसे अनुरोध है कि जल्द से जल्द धरना स्थल पर पहुंचें। जाट ने कहा कि प्रदर्शन में छात्रों की अनुमानित संख्या 20 हजार तक पहुंचने की संभावना है। प्रदेश के 55 जिलों से युवा यहां आने लगे हैं। कोचिंग और लाइब्रेरी के शिक्षकों से अनुरोध किया गया है कि वे यहीं पर पढ़ाने की व्यवस्था करें। वहीं अभ्यर्थियों का कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर विचार नहीं किया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। युवक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मितेंद्र सिंह भी स्टूडेंट के बीच पहुंचे हैं।

संभल में एएसआई ने कल्कि मंदिर का फिर किया सर्वे

● कई जगह के फोटो और वीडियो लिए,कृष्ण कूप भी देखा

संभल (एजेंसी)। संभल में भारतीय पुरातत्व विभाग यानी एएसआई टीम ने शनिवार को कल्कि मंदिर का सर्वे किया। टीम ने गुंबद की तस्वीरें खींचीं। दीवारों पर नक्काशी के वीडियो बनाए। इसके अलावा, मंदिर परिसर में स्थित कृष्ण कूप यानी कुएं का भी सर्वे किया। एएसआई टीम का संभल में यह दूसरा दिन है। शुक्रवार को टीम ने गुपचुप तरीके से 9 घंटे तक सर्वे किया था। 5 तीर्थ स्थलों और 19 कुओं से नमूने लिए थे। कल्कि मंदिर और कृष्ण कुएं को

लेकर फिलहाल कोई विवाद नहीं है। माना जा रहा है कि एएसआई ने मंदिर और कुआं कितना पुराना है। यह जानने के लिए सर्वे किया। सर्वे के दौरान वंदना मिश्रा के साथ भारी संख्या में फोर्स मौजूद रही। एएसआई की टीम ने मंदिर के शिखर का सर्वे किया। मंदिर के पुजारी महेंद्र प्रसाद शर्मा ने एएसआई से मंदिर में फिर से नक्काशी करवाने की मांग की है। एएसआई ने डॉक्टर वंदना मिश्रा ने बताया कि एएसआई ने मंदिर और उसके बगल बने कूप का सर्वे किया। फोटो-वीडियो लिए। टीम ने करीब 20 मिनट तक सर्वे किया।

'बाल रंग' से देशभर में गौरवान्वित होता है एमपी

● देश के 22 राज्यों की लोक संस्कृति पर केन्द्रित हुए नृत्य

भोपाल। राष्ट्रीय बाल रंग के दूसरे दिन 21 दिसम्बर को राष्ट्रीय मानव संग्रहालय श्यामला हिल्स में 22 राज्यों की लोक संस्कृति पर केन्द्रित नृत्यों की शानदार प्रस्तुतियां देशभर के बच्चों ने दी। इन प्रस्तुतियों में एक भारत-श्रेष्ठ भारत की झलक देखने को मिली। बाल रंग में विभिन्न राज्यों के 10 हजार बच्चें अनेक रचनात्मक गतिविधियों में सहभागिता कर रहे हैं। बाल रंग के दूसरे दिन सचिव स्कूल शिक्षा डॉ. संजय गोयल बच्चों के बीच पहुंचे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय बालरंग कार्यक्रम मध्यप्रदेश का महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में बच्चों को पढ़ाई के साथ विभिन्न गतिविधियों से सक्रिय रूप से जोड़ने की अनुशंसा की गई है। बाल रंग में शामिल बच्चे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर दूसरे बच्चों के लिये प्रेरणा स्त्रोत बनेंगे। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय मानव संग्रहालय की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान है। बच्चों को संग्रहालय का भ्रमण भी करवाया जाये। सचिव स्कूल शिक्षा डॉ. गोयल ने इस मौके पर प्रकाशित बाल पत्रिका का विमोचन भी किया। कार्यक्रम की शुरुआत में पंजाब के बच्चों ने लोक संस्कृति पर केन्द्रित नृत्य की प्रस्तुति दी। इस प्रस्तुति में पंजाब की विरासत का बखान था। मध्यप्रदेश के बच्चों ने महाकौशल अंचल के लांगुरिया

लोक नृत्य की प्रस्तुति दी। इसमें ईश्वर की आराधना आस्था के साथ किस तरह से होती है। उसको आकर्षक तरीके से प्रस्तुत किया गया था। कार्यक्रम में मानव संग्रहालय के निदेशक प्रो. अमिताभ पांडे और विभागीय अधिकारी भी मौजूद थे।

महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में दो नक्सलियों का सरेंडर

● 8 लाख रुपए का ईनाम था,परिवार के दबाव में हथियार डाले

गढ़चिरौली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में शनिवार को दो नक्सलियों ने सीआरपीएफ और पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया। इन दोनों पर 8 लाख रुपए का इनाम था। पुलिस के मुताबिक 55 साल के रामसु दुर्गू पोयम उर्फ नरसिंह और 25 साल के रमेश कुंजाम उर्फ गोविंद ने सरेंडर किया है। रामसु महाराष्ट्र के गढ़चिरौली का, जबकि रमेश छत्तीसगढ़ का रहने वाला है। दोनों नक्सलियों पर सरेंडर के लिए परिवार ने दबाव बनाया था। साथ ही गढ़चिरौली पुलिस की नक्सलियों पर लगातार बढ़ती कार्रवाई भी सरेंडर करने की बड़ी वजह है। दोनों को

नक्सली पुनर्वास के लिए केंद्र सरकार और महाराष्ट्र सरकार से घोषित इनाम के रूप में 4.5 लाख रुपए मिलेंगे। रामसु दुर्गु ने 1992 में नक्सली संगठन टिपागढ़ एलओएस को जॉइन किया था। इसके बाद उसने 2010 में कुतुल और नेलनार एलओएस जॉइन की थी, जहां उसने एरिया कमेटी सदस्य के तौर पर काम किया। रामसु के खिलाफ करीब 12 मामले दर्ज हैं जिनमें छह मुठभेड़, पांच मर्डर और एक डकैती का मामला है।

कानपुर की कार्बाइन से होगा दुश्मन का काम तमाम

● ग्लैशियर टेस्ट में हो गई पास, एक मिनट में किए थे 700 फायर
● गर्मी और बरसात के टेस्ट में कार्बाइन को पहले ही मिली सफलता
● माइनस 20 डिग्री तापमान में भी कार्बाइन ने लगाया सटीक निशाना
● सेना और सशस्त्र बलों के लिए अब एसएएफ करेगा बल्क उत्पादन

कानपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के कानपुर में तैयार किया गया कार्बाइन दुश्मनों का काम तमाम करेगा। कार्बाइन ने पहले ही गर्मी और बरसात का टेस्ट पास किया था। अब इस कार्बाइन ने ग्लेशियर टेस्ट में भी सफलता हासिल की है। एक मिनट में 700 फायर करने वाले इस कार्बाइन को अब सेना और सशस्त्र बलों के लिए बड़े पैमाने पर उत्पादन करने की तैयारी की जा रही है। आतंकियों से करीबी मुठभेड़ में यह हथियार काफी कारगर साबित होगा। सीक्यूबी यानी क्लोज क्वार्टर बैरल कार्बाइन का निर्माण स्मॉल आर्म्स फैक्ट्री में किया गया है। सीक्यूबी कार्बाइन का सेना ने तीसरा और फाइनल सफल परीक्षण किया है। इसके बाद अब इसके

बल्क उत्पादन की तैयारी की जा रही है। एसएफ की टीम ने सेना की ट्रायल विंग के साथ हिमाचल प्रदेश के सुमरो में टेस्ट किया। ग्लेशियर में माइनस 20 डिग्री सेल्सियस तापमान में हुए ट्रायल में कार्बाइन ने बेहतरीन परफॉर्मेंस दिया है। इससे पहले इसी कार्बाइन का तमिलनाडु के त्रिची में बारिश के मौसम और राजस्थान के रेगिस्तान सीमा पर हाई टेंपरेचर में सफल दक्षता परीक्षण हो चुका है। ग्लेशियर क्षेत्र की रेंज में सीक्यूबी कार्बाइन के टेस्ट के लिए एसएफ की टीम 2 दिसंबर को रवाना हुई थी। टीम 14 दिसंबर को वापस लौटी। ग्लेशियर टेस्ट का रिजल्ट एसएएफ अधिकारियों के चेहरे पर खुशियां लाने वाला रहा। गर्मी, बारिश के बाद ग्लेशियर की ठंडक वाले मौसम में भी यह काबाईन अपने लक्ष्य को भेदने में कामयाब रही है। एसएएफ में बनी यह कार्बाइन महज तीन किलोग्राम वजन की है। इसकी मारक क्षमता 200 मीटर है। यह कार्बाइन एक मिनट में 700 राउंड गोलियां दागने में सक्षम है। अभी सैन्य बलों के पास मौजूद कार्बाइन की मारक क्षमता 100 मीटर है। सेना की डिमांड पर एसएएफ ने इसे डीआरडीओ से जुड़े अर्मामेंट रिसर्च एंड डेवलपमेंट की डिजाइन पर तैयार किया है। इसे पहली बार लखनऊ में वर्ष 2020 में हुए डिफेंस एक्सपो में प्रदर्शित किया गया था। सीक्यूबी कार्बाइन हर मौसम में टेस्ट में सफल रहा है। इसके तीनों टेस्ट एक वर्ष की अवधि में हुए हैं।

प्रदेश पाती

दैनिक सद्भावना पाती

इंदौर, रविवार 22 दिसंबर, 2024

मप्र में भाजपा के मंडल अध्यक्ष चुनाव के 'निष्पक्षता' पर उठे सवाल

भोपाल। भाजपा के मंडल अध्यक्ष चुनाव के 'निष्पक्षता' पर सवाल उठ रहे हैं। प्रदेश के अलग-अलग जिलों से भाजपा कार्यकर्ता आज भाजपा प्रदेश कार्यालय पहुंचे। पार्टी में बढ़ती नाराजगी को देख प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा ने चुनाव प्रभारियों की बैठक बुलाई। जिन जिलों से ज्यादा शिकायतें मिली है, उन जिलों के चुनाव प्रभारियों के साथ बीजेपी में बैठक चल रही है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि मंडल अध्यक्ष के चुनाव में कई नियमों को दरकिनार किया गया है। इसके साथ ही दूसरे राजनीतिक दलों से आए लोगों को भी मंडल अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। इसलिए वह संगठन के मुखिया से आपत्ति दर्ज करने पहुंचे हैं। उम्मीद है कि उनकी आपत्तियों को संगठन संजीदगी से लेगा और अध्यक्ष बदले जाएंगे। वहीं इस मामले में भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल का कहना है कि संगठन चुनाव के तहत आपत्तियों का भी एक दिन निर्धारित किया जाता है। आज जो भी आपत्तियां आ रही है, उनका मूल्यांकन किया जाएगा। यदि उन्हें सत्यता पाई गई तो ऐसे मंडल अध्यक्षों को बदलने का काम भी संगठन करेगा। वहीं आपत्तियों को लेकर कांग्रेस के प्रवक्ता अवनीश बुंदेला का कहना है कि बीजेपी में अब दूसरे दल से आए राजनीतिक लोगों के चलते इस तरह की स्थितियां बन गई है कि मूल कार्यकर्ता अपने आप को अपेक्षित महसूस कर रहा है। यही कारण है कि यह लोग आपत्तियां दर्ज करने पहुंचे हैं, इससे समझ में आता है कि अब बीजेपी के पतन का समय शुरू हो चुका है।

स्कूल जा रहे छात्रों पर मधुमक्खियों ने किया हमला, तीन बच्चों समेत युवक घायल

सिवनी। मध्य प्रदेश के सिवनी जिले में मधुमक्खियों का आतंक देखने को मिला। स्कूल जा रहे बच्चों पर अचानक मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। जिसमें कई बच्चे घायल हो गए। इन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां इनका इलाज किया जा रहा है।सिवनी जिले के छपारा के एरिगेशन कॉलोनी में आज मधुमक्खियों का आतंक देखने को मिला। जहां सुबह स्कूल जा रहे बच्चों को मधुमक्खियों ने अपना शिकार बनाया। मधुमक्खियों के हमले से तीन स्कूली बच्चे और एक युवक घायल हुआ है। जिन्हें छपारा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है।फिलहाल अस्पताल में घायलों का उपचार किया जा रहा है। वहीं मधुमक्खियों के हमले से घायल युवक के शरीर से करीब 30 डंक निकले हैं। डॉक्टर ने चारों की स्थिति सामान्य बताई है।

निजी बस चालक की मनमानी : स्कूली छात्रों को बस में बैठने से किया मना

सीहोर। अहमदपुर क्षेत्र में निजी बस संचालक और चालक की मनमानी से स्कूली बच्चों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बस चालक ने बच्चों को बस में बैठने से मना कर दिया, जबकि बच्चे जितना सफर करते थे उतना उसका नियमित रूप से किराया देते थे।मामले की शिकायत कई बार अहमदपुर थाना प्रभारी अविनाश भोपाल से की थी। उन्होंने कई बार बस संचालक को भी समझाया, लेकिन थाना प्रभारी की समझाइश के बाद में भी बच्चों को नहीं बिठाया गया। इसके बाद बच्चों ने फिर इसकी शिकायत थाना प्रभारी से की।थाना प्रभारी ने बस संचालक को फोन के माध्यम से सख्त हिदायत दी जब बच्चे पैसे देते हैं तो बैठने में क्या दिक्कत। बच्चों ने बताया कि वे अहमदपुर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से पढ़ाई के लिए आते हैं। कई बार उन्हें बस में बैठने की अनुमति नहीं दी जाती, जिससे उनकी कक्षाएं छूट जाती हैं और उन्हें छुट्टी लेनी पड़ती।

लोकायुक्त की कार्रवाई : नायब तहसीलदार दफ्तर में ही 25 हजार रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

सीधी। सरकारी विभागों के भ्रष्ट अधिकारी कर्मचारियों के खिलाफ लोकायुक्त की कार्रवाई लगातार जारी है। इसके बाद भी रिश्वतखोरी के मामले कम नहीं हो रहे हैं। ताजा मामला प्रदेश के सीधी जिले का है जहां नायब तहसीलदार वाल्मीकि साकेत को 25 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए लोकायुक्त पुलिस ने उनके ही दफ्तर से ही गिरफ्तार किया गया है। समाचार के लिखे जाने तक लोकायुक्त की कार्रवाई जारी थी।सीधी जिले के मझौला नायब तहसीलदार वाल्मीकि साकेत को 24 हजार रुपए लेते हुए गिरफ्तार किया है। उन्होंने फरियादी प्रवेश शुक्ला से जमीन नामांतरण के एवज 50 हजार रुपए घूस की मांग की थी। इसकी शिकायत प्रवेश शुक्ला ने लोकायुक्त से की थी। शिकायत की पुष्टि के बाद आज रीवा लोकायुक्त की 12 सदस्यीय टीम ने यह कार्रवाई की है। कार्रवाई रीवा लोकायुक्त डीएसपी परमेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में हुई है। लोकायुक्त रीवा की टीम आरोपी नायब तहसीलदार को लेकर मझौली से सीधी के लिए रवाना हुई है। उसके खिलाफ भ्रष्टाचार के विभिन्न अधिनियमों के तहत कार्रवाई की जा रही है।

दलित समाज के व्यक्ति को कुलगुरु बनाने की मांग, उपराष्ट्रपति को लिखा पत्र

भोपाल। माखनलाल यूनिवर्सिटी में दलित समाज के व्यक्ति को कुलगुरु बनाने की गई है, इस संबंध में एनएसयुआई ने सीएम डॉ. मोहन यादव और उपराष्टपति जगदीप धनखड़ को पत्र लिखा है,प्रदेश अध्यक्ष ने यूनिवर्सिटी में दलित विद्यार्थी और शिक्षकों का अपमान करने का आरोप लगाया है. दरअसल, सामाजिक एकता का उदाहरण देने के लिए एनसएयूआई ने दलित कुलगुरु बनाने की मांग की है, एनएसयुआई ने पत्र में लिखा- 'देश में संविधान अंगीकरण के 75 वर्ष पूरे हो गये है। जिसका मनाने के लिए भारत सरकार एवं राज्य सरकारों के द्वारा विभिन्न आयोजन प्रस्तावित है संसद के शीतकालीन सत्र में भी संविधान पर विशेष चर्चा का आयोजन किया गया इस संविधान के शिल्पकार बाबा साहब अंबेडकर ने सर्व समाज को समानता दिलाने के उद्देश्य से संविधान को गढ़ा था. जिसमें पिछड़े वर्ग के लोगो को आगे लाने के लिए उन्होंने कुछ सुझाव वही दिये थे. जिनमें से एक सुझाव था राजनीतिक और शैक्षणिक क्षेत्र में दलितों एवं पिछड़ों को प्रतिनिधित्व। पत्र में लिखा गया कि 'महोदय माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय भोपाल में इतिहास में क्शी भी दलित समाज से कुलगुरु नियुक्त नहीं किया गया है, डॉ. बाबा साहब भीमराव आंबेडकर जी के बनाए गए संविधान के अनुसार सभी वर्ग के लोगों को समान प्राथमिकता देना हमारे देश की मूल भावना रही है, हमारी मांग है कि इस बार दलित समाज से आने वाले योग्य व्यक्ति को विश्वविद्यालय का कुलगुरू बनाया जाए, जिससे की हमारे विश्वविद्यालय में भी सामाजिक समरसता का उत्कृष्ट उदाहरण पेश किया जा सकें।

आज से वन विहार में दहाड़ेंगे जूनागढ़ के शेर

भोपाल। मध्यप्रदेश के रहवासियों के लिए अच्छी खबर है। प्रदेश की राजधानी भोपाल स्थित राष्ट्रीय वन विहार उद्यान में आज से जूनागढ़ के शेर दहाड़ेंगे। अब शेर भी वन विभाग उद्यान में शेर की दहाड़ सुनई पड़ेंगी। एनिमल एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत वन्य प्राणी भोपाल आएंगे। शेर के बदले यहां से भेजे गए दो टाइगर। बीते चार सालों से लंबित मामले को मंजूरी मिली है। इनमें में अब एक मेल और एक फीमेल शेर शामिल है। शेरों के राष्ट्रीय वन विहार पहुंचने की उम्मीद है।

जीतू पटवारी बोले- कर्ज के नाम पर सरकार राजनीतिक अय्याशी कर रही

भोपाल। मध्यप्रदेश में डॉ मोहन सरकार का एक साल का कार्यकाल पूरा होने पर कांग्रेस ने जमकर सियासी निशाना बोला है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष (पीसीसी चीफ) जीतू पटवारी ने प्रेसवार्ता में कहा कि- ये सरकार बीजेपी की नहीं माफियाओं की सरकार है, यही सच्चाई है। पर्ची की सरकार है। शिवराज जी का झूठी सच्ची योजनाओं के दम पर चुनाव था। डॉ मोहन यादव सीएम बने, अब पर्ची महंगी हो गई है। कर्ज के नाम पर सरकार राजनीतिक अय्याशी की जा रही है, इससे नीचे का कोई शब्द नहीं है। कर्ज से भी पेट नहीं भरा तो संपत्तियां बेचते हैं।10 हजार करोड़ की संपति बेच दी। धांधली का सोना मंत्रियों का है जो गाड़ियों में लावारिस मिलता है। हाल ही में भोपाल में 52 किलो और 11 करोड़ कैश मिला। कहा- प्रदेश में फिर कहूंगा पर्ची बहुत महंगी है, सोने के थाली में सरकार खा रही खाना और किसान डंडे खा रहे है। यहां सिपाही ही करोड़पति है।

मध्यप्रदेश करप्शन का समुद्र- जीतू पटवारी ने कहा कि- ह्रष्द्गह्लड्ड के आंकड़े कहते हैं जमीन के सबसे ज्यादा घपले द्वश्च में हैं। धांधली के मामले में टॉप फाइव में मध्यप्रदेश हैं। मध्य प्रदेश करप्शन का समुद्र बन गया, सारी नदियां यहीं मिलती हैं। द्वञ्ज की लगातार रेड हो रही है। भोपाल, इंदौर में छपे मारे। ऋह्लश्व का छापा मामला में सबसे छोटी मछली सामने आई है। मुझे ह्लह्लश्व के अधिकारी ने बताया कि 35 करोड़ महीना की उगाही हो रही है। बीते 15 साल में 15 हजार करोड़ की धांधली हुई। चुनाव में बीजेपी के उम्मीदवारों को 06 क्क 06 करोड़ दिए गए। हेलीकॉप्टर से पैसा पहुंचाया गया।

मंत्री का अंदाजा लगा पाना मुश्किल- बीजेपी में चोरी के माल का झगड़ा चल रहा है। विधानसभा में पूछते हैं हम तो बताते नहीं, चलते नहीं। देखा जाए तो 03 दिन चली और सरकार ने अपने कागजी काम किए, बिल पास कराए और सत्र खत्म हो गया। टेंडर में 50त्न का खेल हो रहा है। अब पार्टी की बात करता हूं,पार्टी ने निर्णय लिया है, हमारा दायित्व है कि हम अपना धर्म निभाएंगे। हम मांग करते हैं कि परिवहन विभाग मामले में ष्टक्चढ्ढ या न्यायिक जांच हो। हम हाईकोर्ट में याचिका दायर करेंगे। 20 साल में इस परिवहन विभाग की जांच होनी चाहिए। अगले हफ्ते याचिका दायर करेंगे। जब सिपाही करोड़ खा रहा है तो क्चछ्व ओर मंत्री का अंदाजा लगा पाना ही मुश्किल है।

एम.पी. ट्रांसको की त्रैमासिक रिव्यू मीटिंग संपन्न

आंधी तूफान का मौसम आने के पहले ट्रांसमिशन लाइनों का मेंटेनेंस सुनिश्चित करें: एम.डी. इंजी.सुनील तिवारी

जबलपुर। एम.पी. ट्रांसको (मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी) के मुख्यालय जबलपुर में आयोजित दो दिवसीय प्रदेश स्तरीय त्रैमासिक रिव्यू मीटिंग में प्रबंध संचालक इंजीनियर सुनील तिवारी ने निर्देश दिए कि फील्ड के अधिकारी समय रहते प्रदेश की ट्रांसमिशन लाइनों का मेंटेनेंस सुनिश्चित कर लें। उन्होंने वर्तमान रबी सीजन में ट्रांसमिशन लाइनों और सब स्टेशनों पर लोडिंग की समीक्षा भी की। प्रबंध संचालक इंजी. सुनील तिवारी ने वर्तमान रबी सीजन के दौरान मध्यप्रदेश में बढ़ते हुये लोड के मद्देनजर चाक-चौबंद व्यवस्था बनाये रखने के निर्देश दिए ताकि ट्रांसमिशन सिस्टम की स्थिरता कायम रखी जा सके। उन्होंने वर्तमान में चल रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा कर निर्देश दिये कि कार्यों की वर्क वाइस मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाये एवं उच्चतम मापदंडों के साथ सर्वोत्तम गुणवत्ता से कार्य समयसीमा में पूर्ण किये जावें। उन्होंने एम.पी. ट्रांसको में विभिन्न कार्यशालाओं के माध्यम से आयोजित की जा रही ट्रेनिंग के कारण आये गुणात्मक परिवर्तन की निरंतरता को बनाये रखने के निर्देश भी दिये।

जीरो एक्सीडेंट लक्ष्य से करें कार्य- प्रबंध संचालक ने निर्देश दिए की फील्ड के अधिकारी ई.एच.टी. लाइनों और सब स्टेशनों में जीरो एक्सीडेंट लक्ष्य को ध्यान में रखकर सतर्कता और सुरक्षा के साथ मेंटेनेंस करें। उन्होंने कहा कि कंपनी में सुरक्षा के साथ कार्य करने का वर्क कल्चर निर्मित हो, क्योंकि मानव जीवन से महत्वपूर्ण कुछ नहीं है, अतः कार्य के दौरान सुरक्षा मापदंडों का पालन कड़ाई से कराया जाये। इस रिव्यू मीटिंग में एम.पी. ट्रांसको के मुख्यालय स्थित सभी विभागाध्यक्ष एवं प्रदेश के अधीक्षण अभियंता स्तर तक के अधिकारी मौजूद थे।

कितने नाले हैं? सवाल पर प्लानिंग नहीं समझा पाए इंजीनियर, गुस्से से तमतमाए मंत्री विश्वास सारंग

भोपाल। नरेला विधायक और खेल मंत्री विश्वास सारंग अल्पना टॉकीज तिराहे पर निर्माणाधीन सड़क और नाले का निरीक्षण करने निकले थे। इस दौरान विभाग इंजीनियर और अधिकारी भी उनके साथ थे। निरीक्षण के दौरान मंत्री विश्वास सारंग ने निर्माण करवा रहे इंजीनियर से पूछा कि नाले कितने हैं। साथ ही इसके निर्माण की प्लानिंग क्या है। इस पर संबंधित अधिकारियों को कोई जवाब नहीं सूझा। यह सुनकर मंत्री विश्वास सारंग गुस्से से तमतमा गए।

भोपाल को बाढ़ में नहीं डूबने दूंगा- मंत्री विश्वास सारंग के सवालों का जवाब अधिकारी नहीं दे पा रहे थे। इस दौरान मंत्री विश्वास सारंग तल्ख लहजे में बात करने लगे। साथ ही उन्होंने कहा कि इन निर्माणों से आप भोपाल को बाढ़ में धकेलना चाहते हैं। मंत्री सारंग ने कहा कि मैं भोपाल को बाढ़ में नहीं डूबने दूंगा। बगैर सर्वे और प्लानिंग के निर्माण कार्य को शुरू कर दिया है नाली निर्माण से पुल पतारा नाले में दबवा बढ़ेगा। इससे इस इलाके में बाढ़ की हालत बनेगी। बाढ़ आने से 10 लाख लोग प्रभावित होंगे। मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि सर्वे और प्लानिंग के बाद ही निर्माण कार्य हो। मंत्री ने लोक निर्माण विभाग, नगर निगम, मेट्रो और यातायात से समन्वय कर प्लान बनाने के निर्देश दिए हैं। गौरतलब है कि अल्पना तिराहे से भारत टॉकीज तिराहे तक 42 करोड़ रुपए की लागत से सीमेंट और कंक्रीट सड़क का निर्माण हो रहा है। इसी निर्माण कार्य को देखकर मंत्री सारंग पहुंचे थे। उनके सामने चीफ इंजीनियर सवालों का जवाब नहीं दे पा रहे थे। इसी बात को लेकर मंत्री को गुस्सा आ गया था। अब कलेक्टर को निर्देश दिए हैं कि अधिकारियों के साथ बैठकर फिर से इसकी प्लानिंग करें।

'हमें तो अपनों ने लूटा', सदन में इन भाजपा विधायकों ने अपनी ही सरकार को घेरा

भोपाल। विधानसभा का शीतकालीन सत्र अलग-अलग मामलों को लेकर चर्चाओं में रहा। विपक्षी दल के विधायकों का मौजूदा सरकार से सवाल का सिलसिला तो पुराना है। लेकिन, इस बार शीतकालीन सत्र में कुछ और ही देखने को मिला। विधानसभा के सत्र में प्रश्नोत्तर काल में सत्तापक्ष के विधायकों ने भी सरकार को घेरने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी।अपनी ही सरकार को घेरने की शुरुआत करने वालों में पहले एमएलए सागर जिले की खुरई विधानसभा से भूपेंद्र सिंह रहे। पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह ने स्कूल शिक्षा मंत्री से सवाल पूछकर असहज स्थिति निर्मित कर दी। उन्होंने सीधे-सीधे मंत्री उदय प्रताप सिंह के कार्य व्यवहार की %आलोचना% की। इसके बाद जबलपुर उत्तर सीट से विधायक अभिलाष पांडेय ने भी ऐसे सवाल पूछे जिसके जवाब से सरकार को कठिनाई हुई।

खंडवा विधायक ने उठाया आंगनवाड़ी का मुद्दा- अपनी ही सराकार से प्रश्न पूछने के क्रम में खंडवा से बीजेपी विधायक कंचन तनवे ने सदन में आंगनवाड़ी केंद्रों का मुद्दा उठाया। इस पर विभाग की मंत्री निर्मला भूरिया ने जवाब देते हुए कहा कि विधायक कंचन तनवे को इस संबंध में जानकारी प्रदान की जा चुकी है।

एमएलए सीतासरन ने मंत्री कैलाश विजयवर्गीय से किए सवाल- सत्र के चौथे दिन बीजेपी विधायक डॉ सीतासरन शर्मा ने मंत्री कैलाश विजयवर्गीय से सवाल जवाब किए। उन्होंने, सदन में प्रधानमंत्री आवास योजना में आई अनियमितता पर सवाल खड़े कर दिये। प्रश्नोत्तर काल में विधायक शर्मा ने मंत्री कैलाश विजयवर्गीय से सवाल पूछा। उन्होंने पूछा कि नर्मदापुरम नगर पालिका में जांच के दौरान यह सामने आया है कि 2.5 लाख रुपए की जगह लाभार्थियों को 3 से 8 लाख रुपए तक खाते में आए हैं। ऐसे करीब 30 केस हैं। क्या यह राशि नियमों के अनुसार है? अगर नहीं तो इस मामले में अब तक क्या कार्रवाई की गई।

भाजपा विधायक सतीश मालवीय ने सदन में उज्जैन मास्टर प्लान में अनियमितता का मुद्दा गर्मा दिया। उन्होंने कहा कि संज्ञान में आया है कि यातायात नगर की 1.64 हेक्टेयर जमीन निजी हाथों में दी जा रही है। इसके जवाब में मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि इसकी जांच की जाएगी।

महाकाल मंदिर के भोजन स्थल में महिला कर्मचारी की दर्दनाक मौत, आलू छीलने वाली मशीन में फंसा था दुपट्टा

उज्जैन। महाकालेश्वर मंदिर में आउटसोर्स महिला कर्मचारी की अन्न क्षेत्र में अचानक मौत हो गई. महिला का दुपट्टा मशीन में फंस गया था, जिससे यह बड़ा हादसा हुआ. इस मामले में जिला प्रशासन ने जांच के आदेश दे दिए है. पीड़ित परिवार को आर्थिक मदद भी की जाएगी। उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर के अन्य क्षेत्र में काम करने वाली आउटसोर्स महिला कर्मचारी रजनी खत्री का दुपट्टा मशीन में आ गया. इस दुर्घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गई. उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया. जहां उनकी दुखद मौत हो गई। उज्जैन के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व लक्ष्मी नारायण गर्ग ने बताया कि महिला की मौत के मामले में जिला प्रशासन और मंदिर समिति द्वारा जांच कराई जा रही है, यह बेहद दुखद हादसा है, महिला केशव नगर उज्जैन की रहने वाली थी और उनका काम महाकालेश्वर मंदिर के अन्न क्षेत्र में भोजन पकाना और परोसना था।

पीड़ित परिवार को मिलेगी आर्थिक मदद- उज्जैन के कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने बताया कि पीड़ित परिवार की आर्थिक मदद की जाएगी. इस संबंध में मंदिर समिति भी अपनी ओर से मदद करेगी. शनिवार सुबह हुए साक्षी की सूचना सुरक्षा एजेंसी के कर्मचारियों ने महाकाल थाना पुलिस को दी थी।

पीड़ित परिवार से भी मिले अधिकारी- एसडीएम लक्ष्मी नारायण गर्ग ने बताया कि महिला के दो भाई हैं और उनके परिवार के सदस्यों से भी जानकारी हासिल की जा रही है. उन्होंने बताया कि इस दुखद घटना को लेकर ऐसे प्रयास किया जा रहे हैं कि आगे से इसकी पुनरावृति ना हो, इसके लिए सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है।

महाकालेश्वर मंदिर में चलता है निशुल्क अन्न क्षेत्र- उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में निशुल्क अन्य क्षेत्र चलता है जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रतिदिन भोजन प्रसादी ग्रहण करते हैं, इस अन्न क्षेत्र में बड़ी संख्या में आउटसोर्स कर्मचारी भी काम करते हैं जो कि भोजन पकाने से लेकर परोसने और अन्य व्यवस्थाओं को संभालते हैं रजनी खत्री भी इसी व्यवस्था का हिस्सा थी।

बच्चों के खिलाफ बढ़ते यौन अपराध पर हाईकोर्ट सख्त, केंद्र और राज्य सरकार को जारी किया नोटिस

जबलपुर। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने बच्चों के खिलाफ बढ़ते यौन अपराधों के मामलों का संज्ञान लेते हुए सख्त कदम उठाया है, चीफ जस्टिस की बेंच ने स्वतः संज्ञान लेकर केंद्र और राज्य सरकार को नोटिस जारी किया है, जिसमें चार हफ्तों के भीतर जवाब मांगा गया है.कोर्ट ने यह भी पूछा है कि पॉक्सो एक्ट के प्रचार-प्रसार के लिए सरकारें क्या कदम उठा रही हैं, इसके अलावा चीफ जस्टिस ने कोर्ट की जबलपुर, इंदौर, और ग्वालियर बेंचों में लंबित अपीलों को लेकर भी चिंता व्यक्त की, मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की तीनों बेंचों में बच्चों पर अपराध के 14,531 मामले लंबित हैं, इस मामले पर हाईकोर्ट ने चार हफ्तों बाद अगली सुनवाई की तारीख तय की है, जिससे यह साफ हो गया है कि कोर्ट इस गंभीर मुद्दे को लेकर गंभीर है और सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहा है।

उज्जैन को मिलेगी नई सौगात : सीएम डॉ. मोहन यादव करेंगे आईटी पार्क का भूमिपूजन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज उज्जैन में आईटी पार्क का भूमिपूजन करेंगे. कार्यक्रम उज्जैन इंजीनियरिंग कॉलेज, इंदौर रोड में आयोजित होगा. उज्जैन आईटी पार्क लगभग 46 करोड़ रुपए की लागत से बनने जा रहा है. आईटी पार्क स्थापित होने से क्षेत्र में आईटी, आईटीएस, ईएसडीएम सेक्टर में निवेश के नए आयाम स्थापित होंगे और युवाओं को बड़ी संख्या में रोजगार मिलेगा, आईटी पार्क का विस्तार 2.16 हेक्टेयर भूमि पर होगा. पार्क की इमारत महाकाल की अनन्त की अवधारणा पर डिजाइन की जाएगी और 5 चरणों में इसका निर्माण होगा. इस अवसर पर कौशल विकास एवं रोजगार और उज्जैन जिले के प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे।

'विकास' की चमचमाती सड़क : पंचायत ने निर्माण के नाम पर निकाल लिए लाखों रुपये

बुरहानपुर। मध्य प्रदेश में विकास कार्यों के नाम पर बस करप्शन हो रहा है. ऊपर से लेकर नीचे तक का सिस्टम भ्रष्ट हो चुका है. ताजा मामला बुरहानपुर जिले से सामने आया है. जहां कागजों में ही सड़क निर्माण दिखाकर लाखों रुपये निकाल लिए गए, लेकिन जमीनी स्तर पर सड़क का नामो निशान नहीं है, मामला ग्राम पंचायत तारापाटी का है.शिकायतकर्ता अनिल पान पाटिल का कहना है कि ग्राम पंचायत तारपाटी में 2021 में सड़क निर्माण का काम शुरू हुआ था.लेकिन ज तक यहां एक कुदाली भी नहीं चलाई गई है. निर्माण कार्य के नाम पर 50 लाख रुपए में से 18 लाख पंचायत द्वारा निकाल लिए गए. ग्रामीणों ने भी आरोप लगाए हैं कि गांव में ग्रेवल रोड का निर्माण करना था. लेकिन आज तक कोई कार्य नहीं हुआ. ऐसे में उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है. पंचायत और जिला प्रशासन को कई बार शिकायत करने के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं हो रही है, प्रशासन भी कुम्भकर्ण की नींद सोया हुआ है, इधर, शिकायत करने के बाद पंचायत सचिव और सरपंच ने आनन-फानन में सड़क निर्माण का काम शुरू करवाने के लिए जेसीबी भी मौके पर भेज दिया. लेकिन आक्रोशित ग्रामीणों ने जेसीबी से हो रहे काम को रुकवा दिया और विरोध करने लगे. क्योंकि यह कार्य रोजगार गारंटी के तहत होना था. जिसमें ग्रामीणों को रोजगार देना था. लेकिन भ्रष्टाचार छुपाने के लिए जेसीबी से काम करवाया जा रहा था. इस मामले की निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई की मांग की गई है।

कांग्रेसियों का प्रदर्शन- बाबासाहेब पर की गई टिप्पणी को लेकर बवाल ही बवाल

भोपाल। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा बाबासाहेब अंबेडकर पर की गई टिप्पणी से मध्य प्रदेश की राजनीतिक सियासत गरमा गई है. लगातार कांग्रेसी विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, इसी कड़ी में राजधानी भोपाल में कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल थाने पहुंचा. जहां उन्होंने अमित शाह के खिलाफ केस दर्ज कराने को लेकर जमकर हंगामा किया,खबर लिखे जाने तक कांग्रेस का प्रदर्शन जारी था,हार, भोपाल. केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा बाबासाहेब अंबेडकर पर की गई टिप्पणी से मध्य प्रदेश की राजनीतिक सियासत गरमा गई है. लगातार कांग्रेसी विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, इसी कड़ी में राजधानी भोपाल में कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल थाने पहुंचा. जहां उन्होंने अमित शाह के खिलाफ केस दर्ज कराने को लेकर जमकर हंगामा किया, खबर लिखे जाने तक कांग्रेस का प्रदर्शन जारी था। बीते दिन संसद में वन नेशन वन इलेक्शन पर हो रही चर्चा के दौरान अमित शाह ने बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर का नाम लेकर विपक्ष पर हमला बोला था। इस दौरान उन्होंने कहा था कि, अभी एक फैशन हो गया है अंबेडकरज्अंबेडकरज्अंबेडकर, इतना नाम अगर भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता।

भूपेंद्र सिंह और गोविंद सिंह राजपूत के झगड़े ने बढ़ाई एमपी में बीजेपी की टेंशन!

भोपाल। बीजेपी के दो बड़े नेताओं, भूपेंद्र सिंह और गोविंद सिंह राजपूत के बीच घमासान मचा है। यह झगड़ा इतना बढ़ गया है कि इसकी गूंज दिल्ली तक पहुंच गई है। भूपेंद्र सिंह, शिवराज सिंह चौहान के करीबी माने जाते हैं, जबकि राजपूत, ज्योतिरादित्य सिंधिया के समर्थक हैं। इस खींचतान की वजह से पार्टी में अंदरूनी कलह की स्थिति बन गई है। भूपेंद्र सिंह का आरोप है कि बाहर से आए नेता पुराने कार्यकर्ताओं को परेशान कर रहे हैं। राजपूत ने पलटवार करते हुए कहा कि एक विधायक खुद को पार्टी से बड़ा समझने लगा है।

दो कद्दावर नेताओं में जुबानी जंग छिड़ी

बीजेपी के दो दिग्गज नेता, पूर्व गृह मंत्री और पांच बार के विधायक भूपेंद्र सिंह और वर्तमान खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री गोविंद सिंह राजपूत के बीच जुबानी जंग छिड़ गई है। यह झगड़ा इतना तूल पकड़ चुका है कि पार्टी आलाकमान तक को दखल देना पड़ रहा है। मामला इसलिए भी गंभीर है क्योंकि भूपेंद्र सिंह, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के करीबी माने जाते हैं, जबकि राजपूत, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के समर्थक हैं। बीजेपी के प्रदेश पदाधिकारी इस मामले पर चुप्पी साधे हुए हैं। एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि दोनों बड़े नेता हैं। प्रदेश बीजेपी में कोई भी इस पर टिप्पणी या मध्यस्थता नहीं कर सकता। केंद्रीय नेतृत्व ने संज्ञान लिया है। भूपेंद्र सिंह और गोविंद सिंह राजपूत को जल्द ही दिल्ली तलब किया जा सकता है। पन्ना में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा से जब इस विवाद के बारे में पूछा गया तो उन्होंने इसे हल्के में लेते हुए कहा कि वे इंसान हैं। उनकी चिंता मत करो। यह बीजेपी है, जो एक सिस्टम से चलती है। इस पर ज्यादा सोचने की जरूरत नहीं है। राजपूत का नाम लिए बिना, भूपेंद्र सिंह ने आरोप लगाया कि एक मंत्री बीजेपी के पुराने कार्यकर्ताओं के साथ दुर्व्यवहार कर रहा है। पिछले कुछ दिनों से, भूपेंद्र सिंह उन लोगों पर आरोप लगा रहे हैं जो कांग्रेस से बीजेपी में आए हैं और चार दशकों से ज्यादा समय से पार्टी से जुड़े कार्यकर्ताओं को परेशान कर रहे हैं।

बीजेपी पर अत्याचार करने वालों को बर्दाश्त नहीं कर सकता

एक इंटरव्यू में, भूपेंद्र सिंह ने कहा कि कुछ लोगों ने हमारे कार्यकर्ताओं को तब प्रताड़ित किया जब वे कांग्रेस में थे। अब, वे बीजेपी में शामिल होने के बाद सत्ता में हैं, लेकिन फिर भी हमारे कार्यकर्ताओं के साथ दुर्व्यवहार कर रहे हैं। प्रशासन जानबूझकर हमारे कार्यकर्ताओं को परेशान कर रहा है। मैं उन लोगों को स्वीकार नहीं कर सकता जिन्होंने बीजेपी कार्यकर्ताओं पर अत्याचार किए हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि सागर जिले में बीजेपी को खत्म करने की साजिश रची जा रही है। भूपेंद्र सिंह ने पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष शर्मा की क्षमता पर भी सवाल उठाए। पूर्व गृह मंत्री ने कहा कि वीडी शर्मा को पार्टी में आए सिर्फ पांच से सात साल हुए हैं। इससे पहले वह क्चछ्वक्कके लिए काम करते थे।

विधायक पार्टी से खुद को ऊपर कैसे समझने लगा-

इसके जवाब में, राजपूत ने कहा कि एक विधायक खुद को पार्टी से बड़ा समझने लगा है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष क्चछ्वक्क से आए हैं और उन्हें कुछ समझ नहीं है। मैं उन्हें याद दिलाना चाहता हूं कि केंद्रीय मंत्री अमित शाह और राजनाथ सिंह भी क्चछ्वक्कसे आए हैं। बीजेपी में अनुशासन प्राथमिकता है। उन्होंने आगे कहा कि मैंने केंद्रीय और राज्य नेतृत्व के सामने बीजेपी की सदस्यता ली। वर्तमान में, मैं पार्टी का सक्रिय सदस्य हूं। उन्होंने कहा कि उन्होंने बीजेपी के टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़ा और 41,000 से अधिक मतों से जीत हासिल की और लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान एक प्रमुख भूमिका निभाई।

शिवराज के करीबी हैं भूपेंद्र सिंह- भूपेंद्र सिंह और राजपूत बुंदेलखंड क्षेत्र के सागर जिले से आते हैं। पूर्व शिवराज सिंह चौहान सरकार में, जिले से तीन कैबिनेट मंत्री थे - भूपेंद्र सिंह, राजपूत, और विधानसभा में राज्य के सबसे वरिष्ठ विधायक, गोपाल भार्गव। तीनों में से, राजपूत केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के वफादार हैं और पूर्व कमलनाथ सरकार के छह मंत्रियों में से एक थे, जो मार्च 2020 में बीजेपी में शामिल हुए थे, जिससे 15 महीने पुरानी कांग्रेस सरकार गिर गई थी। नवंबर 2023 के विधानसभा चुनाव के बाद, भूपेंद्र सिंह और भार्गव को मोहन यादव सरकार में शामिल नहीं किया गया था। हालांकि, राजपूत खाद्य और नागरिक आपूर्ति मंत्री बने - एक महत्वपूर्ण विभाग।

पूर्व कांग्रेसी बीजेपी में शामिल हुए-

सागर जिले में, पूर्व विधायक अरुणोदय चौबे और अन्य कांग्रेस पदाधिकारी पिछले साल बीजेपी में शामिल हुए थे। उनमें से कई, कांग्रेस कार्यकर्ताओं के रूप में, भूपेंद्र सिंह पर आरोप लगाते थे जब वह चौहान सरकार में गृह मंत्री थे। वर्तमान में, भूपेंद्र सिंह खुरई सीट से बीजेपी विधायक हैं, जिसका उन्होंने राज्य विधानसभा में पांच बार प्रतिनिधित्व किया है। वह 2009 में सागर लोकसभा क्षेत्र से सांसद भी चुने गए थे।

दैनिक
सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

इंदौर पाती

3

इंदौर, रविवार 22 दिसंबर , 2024

68वीं राष्ट्रीय शैली खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ, 33 राज्यों के 1200 खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

इंदौर। आर्थिक राजधानी इंदौर में 68वीं राष्ट्रीय शैली खेल प्रतियोगिता 2024 का शुभारंभ हो चुका है। इस प्रतियोगिता में 33 राज्यों के 1200 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता का उद्घाटन कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और महाराज श्रीमंत विक्रम सिंह पवार ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए खेल भावना को बढ़ावा देने का संदेश दिया।इंदौर शहर को सभी कार्यक्रमों के लिए काफी बेहतर शहर माना जाता है यहां पर इन्वेस्टर सबमिट से लेकर तमाम बड़े आयोजन किए जाते हैं और इसी के तहत 68वीं राष्ट्रीय शैली खेल प्रतियोगिता 2024 का शुभारंभ किया गया। संयुक्त संचालक संभाग शिक्षा अरविंद सिंह बघेल ने बताया कि, इस प्रतियोगिता में 33 राज्यों से 1200 से अधिक खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। इसमें आंध्र प्रदेश, बिहार, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उड़ीसा सहित अन्य राज्यों के खिलाड़ी सम्मिलित हैं। प्रतियोगिता 24 दिसंबर तक आयोजित की जाएगी।आयोजन से पहले सभी खिलाड़ियों का फ्लैग मार्च निकाला गया। जिसमें उन्होंने एकजुटता और खेल भावना का प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारत में खेल भावना को बढ़ावा देना और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम रोशन करने के लिए उत्कृष्ट खिलाड़ियों को तैयार करना है।कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा, हार-जीत खेल का हिस्सा है। हमें कभी निराश नहीं होना चाहिए और हमेशा आगे बढ़ने की प्रेरणा लेनी चाहिए। यही सच्ची खेल भावना है।

सडक़ हादसे में एक की मौत, जिला अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम

इंदौर। खुडैल थाना क्षेत्र में सडक़ हादसे में एक शख्स की मौत हो गई। वह बाणगंगा क्षेत्र का रहने वाला था। पुलिस ने बताया कि देवगुराडिया के पास सडक़ हादसे की सूचना पर पुलिस पहुंची थी। एक बाइक सवार को किसी वाहन ने टक्कर मार दी थी, जिससे उसकी मौत हो गई थी। मृतक की पहचान रविशंकर पिता रामगरीब निवासी बाणगंगा के रूप में हुई। पुलिस ने उसके परिजनों को घटना की जानकारी दे दी है। यह साफ नहीं हुआ कि हादसा कैसे हुआ और बाइक सवार देवगुराडिया क्षेत्र में कैसे पहुंचा। एमआईजी पुलिस ने बताया कि अनुराग नगर पेट्रोल पंप के पास निजी स्कूल बस की टक्कर से धर्मेश सेन घायल हो गया। एबी रोड सांघी ब्रदर्स के सामने कार वाले ने अरविंद यादव निवासी धीरज नगर को टक्कर मार दी। पत्रकार चौराहे पर भी दो एक्टिवा टकरा गईं। चंद्रेश गुप्ता निवासी रवींद्र नगर ने पलासिया थाने में केस दर्ज करवाया है। चंद्रावतीगंज कांकड़ में बाइक सवार ने अलीना नामक बच्ची को टक्कर मार दी।

अभ्यर्थियों का प्रदर्शन जारी.. कड़ाके की ठंड में लोकसेवा आयोग कार्यालय के सामने डाले डेरा

इंदौर। बुधवार दोपहर 12 बजे से छात्रों का प्रदर्शन लगातार जारी है। सर्द हवाओं के बीच रात भर कार्यालय के बाहर अभ्यर्थी डेरा डाले हुए है। आयोग से मांगे पूरी होने तक आंदोलन जारी रखने की भी चेतावनी दी गई है। वहीं प्रदर्शन के चलते कार्यालय के बाहर पुलिस बल तैनात किया गया है। दो दिनों से तीन अभ्यर्थी आमरण अनशन भी कर रहे हैं।छात्र, छात्राओं ने खुले आसमान के नीचे किया पढ़ना शुरू कर दिया है। सुरक्षा की दृष्टि से लोक सेवा आयोग को चारों तरफ से चाक चौबंद किया गया है ।पुलिस ने डेली कॉलेज,जिला जेल, व्हाइट चर्च की तरफ से आने वाले रास्तों पर बेरिकेड्स लगा कर पुलिस बल तैनात कर दिया है।वही छात्रों ने पानी की टंकी से लेकर ट्रैफिक गार्डन तक गाड़िया ही गाड़ियां खड़ी कर दी है।इसके अलावा आसपास लगी दुकानों का धंधा भी अच्छा चल निकला है तो कई अस्थाई दुकानें भी लग गई है अब देखना यह है कि यह आंदोलन कितने दिन चलेगा क्या इसका कोई हाल निकलेगा या फिर कोई आश्वासन देकर इसकी इतिश्री कर दी जाएगी।

विश्व ध्यान दिवस के अवसर पर इंदौर पुलिस द्वारा स्वास्थ्य व तनाव मुक्ति हेतु, किया गया, ध्यान योग कार्यशाला का आयोजन

इन्दौर। शनिवार को विश्व ध्यान दिवस के अवसर पर पुलिस की तनावपूर्ण व चुनौतीपूर्ण ड्यूटी के चलते, पुलिसकर्मियों के शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर संतोष कुमार सिंह के निर्देशन को डीआरपी लाइन इंदौर में ध्यान योग कार्यशाला का आयोजन किया गया। अति. पुलिस आयुक्त (अप./मुख्य.) मनोज कुमार श्रीवास्तव व पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय) अंकित सोनी के मार्गदर्शन में, रक्षित निरीक्षक इंदौर दीपक कुमार पाटिल उनकी टम द्वारा आयोजित उक्त कार्यशाला में इंदौर पुलिस के योग प्रशिक्षक सउनि गयेन्द्र यादव द्वारा रक्षित केंद्र, कार्यालयों व थानों के पुलिसकर्मियों को ध्यान व योग के महत्व को बताते हुए सभी को ध्यान करने की विभिन्न मुद्राओं के माध्यम से ध्यान व प्राणायाम करने के तरीकों को समझाया, ध्यान व योग के नियमित अभ्यास से जीवन मे आने वाले तनाव से मुक्ति मिलती है एवं मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य सुदृढ होता है। जीवन मे सकारात्मकता एवं उत्साह का समावेश होता है, हमे इसका अभ्यास नियमित करना चाहिए।

एसजीएसआईटीएस का 72वां स्थापना दिवस एवं एल्युमिनी दिवस का शुभारंभ

इंदौर। एसजीएसआईटीएस (1952) अपनी स्थापना के 72 वर्ष पूर्ण हो रहा है इस उपलक्ष्य में पूर्व छात्र संगठन विभिन्न कार्यक्रमों को आयोजित कर रहा है। एसोसिएशन के अध्यक्ष इंजीनियर डी एल गोयल ने बताया शनिवार शाम को होने वाली कार्यक्रम में मध्य प्रदेश शासन के उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार एलुमनी मीट के मुख्य अतिथि एवं पूर्व छात्र पंकज धारकर अध्यक्षता करेंगे। एसोसिएशन के मानद सचिव डॉ गिरीश गुप्ता ने बताया की स्वास्थ्य जागरूकता हेतु जुंबा एवं मैराथन का आयोजन छात्रों, पूर्व छात्रो, शिक्षकों के लिए सुबह 7-30 बजे करीब 3-30 किलोमीटर का संस्थान परिसर से शुरू होकर मालवा मिल होते हुए रेलवे स्टेशन का 5 नंबर प्लेटफार्म से संस्थान परिसर तक करवा दिया गया है। दोपहर में पारिवारिक मिलन एवं विभिन्न खेल कूद के आयोजन रखे गए हैं। इसमें अन्य छात्रो के साथ विशेष तौर पर 1999 बैच (25 वर्ष) सिल्वर जुबली एवं 1974 बैच (50 वर्ष) गोल्डन जुबली पास आउट छात्र देश विदेश से भाग लेने आयेंगे। इस महती आयोजन को SGSITS Alumni Association आयोजित कर रहा है एवं इस कार्यक्रम में 800 पूर्व छात्रो के समिल्लीत होंगे।

इंदौर कलेक्टर का नवाचार : जिला प्रशासन द्वारा आयोजित आवास मेले ने पहले ही दिन रचा इतिहास, 14,000 से अधिक पंजीयन और 400 से अधिक प्लाट/फ्लैट आवंटित

इंदौर। सुशासन सप्ताह और जनकल्याण अभियान के तहत इंदौर जिला प्रशासन ने आवासहीनों के सपनों को साकार करने के लिए एक अनूठी पहल की है। शनिवार से लालबाग परिसर में आयोजित इस दो दिवसीय आवास मेले ने पहले ही दिन जबरदस्त प्रतिक्रिया प्राप्त की। मेले के पहले दिन 14,000 से अधिक लोगों ने पंजीयन कराया और लगभग 400 प्लाट/फ्लैट बुक या आवंटित किए गए। इस पहल ने न केवल नागरिकों में उत्साह भर दिया, बल्कि प्रशासन के प्रयासों की भी सराहना की।

● ईडब्ल्यूएस और एलआईजी वर्ग के लिए सुनहरा अवसर

इस आवास मेले का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर ईडब्ल्यूएस और निम्न आय वर्ग एलआईजी के परिवारों को किफायती दरों पर आवास उपलब्ध कराना है। मेले में इंदौर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में विकसित की जा रही 150 कॉलोनियों में से 6,000 से अधिक भूखंड और फ्लैट बिक्री के लिए उपलब्ध कराए गए हैं। मेले के पहले दिन ही नागरिकों का उत्साह देखने लायक था, सुबह 10 बजे मेले की शुरुआत के साथ ही लालबाग परिसर में नागरिकों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। पहले एक घंटे में ही बड़ी संख्या में प्लाट और फ्लैट आवंटित किए गए।

कलेक्टर और प्रशासन की मेहनत लाई रंग

इस मेले के मुख्य सूत्रधार संयुक्त कलेक्टर प्रदीप सोनी ने जानकारी दी कि इस आयोजन में जनता को प्लाट और फ्लैट के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की जा रही है। उन्होंने बताया कि पात्र नागरिकों को ईडब्ल्यूएस और एलआईजी श्रेणियों के तहत भूखंड और फ्लैट आवंटित किए जा रहे हैं। इस प्रक्रिया में सभी आवश्यक नियमों का पालन किया जा रहा है। मेले के उद्घाटन पर कलेक्टर आशीष सिंह ने नागरिकों से संवाद किया और मेले की गतिविधियों का अवलोकन किया। उन्होंने प्रत्येक स्टॉल पर जाकर नागरिकों और कॉलोनाइजरों से चर्चा की। उन्होंने मेले में उपस्थित हितग्राहियों को इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाने की अपील की।

पहले प्रयोग में ही अभूतपूर्व सफलता

यह मेला अपनी तरह का पहला प्रयास है, जहां इतने बड़े पैमाने पर कॉलोनाइजर शामिल हुए हैं। जिला प्रशासन और कॉलोनी सेल ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए कड़ी मेहनत की है। कालोनी सेल के प्रमुख अधिकारी गौरव बेनल (आईएएस), संयुक्त कलेक्टर प्रदीप सोनी और उनकी टीम ने इस मेले को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई।

● जनता ने की प्रशासन की सराहना

इस मेले में भाग लेने वाले हितग्राही प्रशासन की इस पहल से बेहद खुश नजर आए। उन्होंने उचित मूल्य पर भूखंड और फ्लैट मिलने के इस सुनहरे अवसर के लिए प्रशासन का धन्यवाद किया। मेले में कई परिवारों ने अपनी आवास समस्या का समाधान होते देखा और इसे जिला प्रशासन की बड़ी उपलब्धि बताया।

अंतिम दिन का भी रहेगा उत्साह

यह मेला 22 दिसंबर को भी सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे तक जारी रहेगा। नागरिक इस मेले में पहुंचकर अपनी आवासीय आवश्यकताओं के अनुसार प्लाट और फ्लैट का चयन कर सकते हैं।

सुशासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम

इस पहल से न केवल आवासहीनों को राहत मिली है, बल्कि सुशासन की दिशा में प्रशासन की प्रतिबद्धता भी साबित हुई है। इस मेले ने यह दर्शाया कि जब प्रशासन और जनता मिलकर काम करते हैं, तो सकारात्मक परिणाम अवश्य मिलते हैं। इंदौर जिला प्रशासन की यह अनूठी पहल निश्चित रूप से अन्य जिलों के लिए एक उदाहरण बनेगी।

मेले में शामिल होने के लिए आवश्यक शर्तें

इस आवास मेले में भाग लेने के लिए कुछ मुख्य शर्तें निर्धारित की गई हैं

- आवेदक मध्यप्रदेश का मूल निवासी होना चाहिए। परिवार की वार्षिक आय 6 लाख रुपये तक होनी चाहिए।
- ईडब्ल्यूएस वर्ग के लिए आय सीमा 3 लाख रुपये तक।
- एलआईजी वर्ग के लिए आय सीमा 3 लाख से 6 लाख रुपये तक।
- आवेदक या उसके परिवार के नाम पर मध्य प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्र में कोई भी भवन या भूखंड नहीं होना चाहिए।

पैसा हमारा, नाम तुम्हारा: शांत रहने वाले सांसद शंकर ललवानी इस बात पर भड़के

केंद्र सरकार की राशि से हो रहे कामों के शिलान्यास में केंद्र सरकार का नाम नहीं लिया

इंदौर। आमतौर पर शांत रहने वाले सांसद शंकर ललवानी इस बात पर भडक़ गए कि उनके द्वारा केंद्र सरकार से विभिन्न योजनाओं के लिए पैसा मंजूर कराया गया, लेकिन निगम द्वारा कराए गए शिलान्यास के शिलालेख में न तो उनके नाम का जिक्र था और न ही केंद्र सरकार की योजनाओं का उल्लेख। अपने दिल में इस बात को भरे सांसद शंकर ललवानी ने खजराना के गणेश मंदिर परिसर में कल मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के समय निगम आयुक्त शिवम वर्मा को निशाने पर लेते हुए झिडक़ा कि केंद्र सरकार द्वारा मंजूर की राशि से जो काम किया जा रहा है, उसके शिलान्यास के कार्यक्रम में केंद्र सरकार का नाम नहीं लिया गया।वैसे तो लालवानी शांत स्वभाव के हैं और गुस्सा करना नहीं जानते हैं। कल नगर निगम द्वारा अटलबिहारी वाजपेयी शासकीय कला एवं वाणिज्य

महाविद्यालय में जो कार्यक्रम मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की उपस्थिति में आयोजित किया गया था, उस कार्यक्रम में विकास कार्यों का भूमिपूजन कराया गया। इस कार्यक्रम में जिन कामों का भूमिपूजन हुआ, उनमें से 1000 करोड़ रुपए के काम तो केंद्र सरकार द्वारा ही मंजूर किए गए हैं। यदि इन काम को हटा लें तो फिर इंदौर नगर निगम के काम के नाम पर कुछ बचता ही नहीं है। इस कार्यक्रम में कहीं भी नगर निगम की ओर से केंद्र सरकार को क्रेडिट देने का काम नहीं किया गया और न ही सांसद लालवानी को कोई क्रेडिट दिया गया। इस स्थिति से लालवानी चिढ़ गए। खजराना के कार्यक्रम के दौरान जब चलते-चलते मौका मिला तो उन्होंने नगर निगम आयुक्त पर बरस पड़े। उन्होंने आयुक्त से कहा कि हम केंद्र सरकार से पैसा मंजूर करवा कर इंदौर को दिलाते हैं, उस पैसे से यहां काम हो रहे हैं और आप लोगों को केंद्र सरकार का नाम बोलने में भी झिझक होती है। आप लोग केंद्र सरकार को क्रेडिट भी नहीं दे पाते हैं। इस स्थिति में आयुक्त सफाई देने की कोशिश करते हुए नजर आए। फिर आयुक्त ने कहा कि इस कार्यक्रम का जो प्रेस नोट जारी हो रहा है, उसमें केंद्र सरकार को क्रेडिट दे देते हैं। उस वक्त तक निगम के द्वारा इस कार्यक्रम का प्रेस नोट जारी किया जा चुका था। फिर आयुक्त के निर्देश पर निगम के जनसंपर्क विभाग द्वारा संशोधित प्रेस नोट जारी किया गया और विकास कार्यों में केंद्र सरकार द्वारा दी गई मंजूरी का उल्लेख किया गया।

घोषणा के बाद भी नहीं स्वीकृत हो रहे हैं कई क्षेत्रों के नक्शे: सभापति

इंदौर। शहर के करीब 100 से ज्यादा वर्षों पुराने क्षेत्रों के नक्शे स्वीकृति के मामले मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद भी नक्शे स्वीकृति के प्रकरण महीनों से अटके पड़े हैं। इसको लेकर कल सभापति ने मुख्यमंत्री के समक्ष यह मुद्दा उठाया। पिछले कुछ महीने पहले ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में इंदौर के विकास कार्यों को लेकर आयोजित बैठक के दौरान मुख्यमंत्री मोहन यादव ने घोषणा की थी कि वर्षों पुराने इन्दौर के क्षेत्रों के नक्शे भी जल्द स्वीकृत होंगे और उसके बाद से ही यह मामला विभिन्न कारणों से उलझन में पड़ा हुआ है। इसके लिए निगमायुक्त शिवम वर्मा ने नगर तथा ग्राम निवेश विभाग भोपाल के आयुक्त को और अन्य आला अधिकारियों को पत्र लिखकर इंदौर की घनी बस्ती, आबादी और मोहल्ला क्षेत्र के भवनों की नक्शा स्वीकृति को लेकर मंजूरी देने की बात कही गई थी, लेकिन उसके बावजूद यह मामला कई दिनों से अटका हुआ है।देवास नाका से लेकर न्यू देवास रोड, छावनी, अनाज मंडी, खातीपुरा, बिजलपुर सहित करीब सौ से ज्यादा वर्षों पुराने क्षेत्रों के नक्शा मंजूरी के प्रकरण अभी भी अटके हुए हैं, जिसके चलते वहां के रहवासी परेशान हो रहे हैं। कल निगम सभापति मुन्नालाल यादव ने मुख्यमंत्री मोहन यादव के सामने यह मुद्दा उठाया और मांग की कि नक्शा स्वीकृति की कार्रवाई जल्द से जल्द हो, ताकि लोगों की परेशानी दूर हो सके। इस दौरान नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और महापौर पुष्यमित्र भार्गव भी मौजूद थे।

नेहरू स्टेडियम के साथ टूटेगा निगम भवन

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर में कई कार्यक्रमों में शिरकत की और लगभग डेढ़ हजार करोड़ के विकास कार्य, लोकार्पण और भूमिपूजन किए। इंदौर को आईटी हब बनाने और जल्द ही आईटी समिट आयोजित करने की घोषणा के साथ ही उन्होंने नेहरू स्टेडियम को तोडक़र नया बनाने और निगम का भी भव्य भवन बने इसकी भी जानकारी जनकल्याण पर्व के तहत आयोजित समारोह में दी, जिसमें उन्होंने इंदौर निगम से जुड़े 1249 करोड़ के कार्यों की सौगात दी। वहीं मुख्यमंत्री निवेशकों से लेकर मीडिया से जुड़े आयोजन, खजराना गणेश मंदिर और स्कूल के वार्षिक उत्सव में भी शामिल हुए।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंदौर में हो रहे विकास की सराहना करते हुए कहा कि इंदौर को अब हर क्षेत्र में नम्बर-वन बनाया जायेगा। इंदौर को देश के प्रमुख महानगरों की तरह विकसित किया जायेगा। इस अवसर पर नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, सांसद शंकर लालवानी, राज्य सफाई कर्मचारी आयोग अध्यक्ष प्रताप करोसिया, अनुसूचित जाति वित्त विकास निगम के अध्यक्ष सावन सोनकर, विधायक रमेश मेंदोला, महेंद्र हार्डिया, मालिनी लक्ष्मण सिंह गौड, गोलू शुक्ला, मनोज पटेल, भाजपा नगर अध्यक्ष गौरव रणदीवे, जिला अध्यक्ष चिंटू वर्मा, सभापति मुन्ना लाल यादव, समस्त महापौर परिषद सदस्य, पार्षदगण व बडी संख्या में हितग्राही गण उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में सभापति मुन्ना लाल यादव ने समस्त अतिथियों एवं हितग्राहियों का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने खजराना गणेश मंदिर में बीस करोड़ रुपए की लागत से निर्मित भक्त निवास, संत निवास और उद्यान का लोकार्पण किया और दानदाता बालकृष्ण छावछरिया के प्रति आभार व्यक्त किया। इसके बाद मुख्यमंत्री भोपाल लौटते वक्त ओमनी स्कूल के वार्षिक उत्सव में भी शामिल हुए, जहां संचालक सुमित सूरी और हेमंत सूरी ने उनका स्वागत किया।

चित्रकारों की अनूठी अभिव्यक्ति

इन्दौर। संस्कार भारती मालवा प्रांत द्वारा मालवा और निमाड़ के लगभग आठ शहरों में लोक जागरण के उद्देश्य बांग्लादेशी हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में इंदौर के राजबाड़ा स्थित उद्यान परिसर में लगभग 75 चित्रकार एकत्रित होकर वहां घटित होने वाली घटनाओं पर कला के माध्यम से अपनी अभिव्यक्ति व्यक्त की चित्रों में सशक्त भारत एवं सशक्त हिंदू ऐसी छवि तथा वसुदेव कुटुंबकम का संदेश चरितार्थ करते हुए अपने चित्रण से अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए जनजागरण का प्रयास किया। मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश के प्रसिद्ध कार्टूनिस्ट देवेंद्र शर्मा उपस्थित थे संस्कार भारती मालवा प्रांत की चित्रकला विधा संयोजक श्रीमती शुभा वैद्य जी ने बताया शहर भर से लगभग सभी वरिष्ठ चित्रकार एवं छात्रों ने इस आयोजन में भाग लिया जल्द ही सारे प्रांत के चित्रों की प्रदर्शनी इंदौर में एक समारोह में लगाई जाएगी आयोजन में शहर भर के गणमान्य नागरिक कलाकारों के प्रोत्साहन के लिए उपस्थित हुए। मुख्य रूप से संस्कार भारती मालवा प्रांत के महामंत्री सारंग लासुरकर, इंदौर महानगर के कार्यकारी अध्यक्ष अविनाश मोतीवाले, संस्कार भारती इंदौर के चित्रकला विधा से धीरेन्द्र मांडगे और श्रीमती रचना शेवगेकर उपस्थित थे।उक्त जानकारी इंदौर जिले के महामंत्री सुधीर सूभेदार ने दी।

खजराना ब्रिज की दूसरी भुजा भी शुरू, पूजन कर ट्रैफिक हुआ सुचारू, दिनांक 21 दिसंबर को खजराना चौराहे पर नवनिर्मित ब्रिज की दूसरी भुजा का पूजन कर उसे पर से ट्रैफिक निकालना की प्रक्रिया शुरू कर दी गई।

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, रविवार 22 दिसंबर , 2024

संपादकीय

डॉलर के सामने पस्त हुआ रुपया

डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत गिर कर पचासी से अधिक हो गई। यह अब तक की सबसे बड़ी गिरावट है। बताया जा रहा है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अपनी नीतियों में बदलाव की वजह से ऐसा हुआ है। कोरोना के बाद दुनिया के तमाम देश मंदी की चपेट में आ गए थे। उससे उबरने के लिए सभी ने अपने-अपने तरीके से उपाय किए। अमेरिकी फेडरल ने अपनी ब्याज दरों में कटौती कर उसे साढ़े चार फीसद पर ला दिया है। इस तरह डालर की स्थिति मजबूत हुई है।

फिर, जब से राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की विजय हुई है, निवेशकों को लगने लगा है कि वहां निवेश करना सबसे फायदेमंद है। इसलिए बहुत सारे निवेशकों ने भारत से पैसे निकाल कर अमेरिका का रुख कर लिया। इससे विदेशी मुद्रा भंडार में भी छीजन दर्ज शुरू हो गई। पिछले कुछ समय तक डालर के मुकाबले रुपए की कीमत में गिरावट लगभग रुकी हुई थी, तब विशेषज्ञों ने कहना शुरू कर दिया कि सरकार विदेशी मुद्रा भंडार से डालर की निकासी करके रुपए की कीमत को रोक रखा है। मगर अब वह तरीका भी शायद काम नहीं आ रहा।

डालर के मुकाबले रुपए की कीमत में गिरावट का असर व्यापार, पर्यटन, शिक्षा आदि पर पड़ता है। भारत अपनी जरूरत का अधिकतर ईंधन तेल दूसरे देशों से खरीदता है। ऐसे में जब भी कच्चे तेल की कीमत बढ़ती है, तो सरकार का खर्च बढ़ जाता है। इसके अलावा, दवाइयों के लिए कच्चा माल, खाद्य तेल, इलेक्ट्रानिक साजो-सामान आदि के लिए भी हम दूसरे देशों पर निर्भर हैं। विदेश पढ़ने गए विद्यार्थियों और पर्यटकों की जेब पर बोझ बढ़ जाता है। इसलिए रुपए की कीमत का

गिरना चिंताजनक होता है।

रुपए की कीमत गिरने की कुछ वजहें साफ हैं। व्यापार घाटा बढ़ता है, तो डालर के मुकाबले रुपए की कीमत घट जाती है। हालांकि वर्षों से निर्यात बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है, घरेलू बाजार और स्वदेशी को बढ़ावा देने की कोशिश की जा रही है, मगर हकीकत यह है कि निर्यात में लगातार कमी देखी जा रही है। व्यापार घाटा पाटने के लिए कई विदेशी वस्तुओं के आयात पर रोक लगाने और देसी वस्तुओं को प्रश्रय देने की कोशिश की गई, इसका कुछ असर भी हुआ। मगर फिर भी व्यापार घाटा कम नहीं हो पा रहा। खासकर चीन के साथ हमारा व्यापार घाटा लगातार बढ़ रहा है।

महंगाई पर काबू पाने के मकसद से रिजर्व बैंक ने लगातार रेपो दर को ऊंचा बनाए रखा है, मगर स्थिति यह है कि बाजार में पूंजी का अपेक्षित प्रवाह नहीं बन पा रहा। इसकी बड़ी वजह लोगों की आय में बढ़ोतरी न हो पाना है। इन स्थितियों का असर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश पर पड़ता है। जैसे ही बाहरी निवेशकों को लगने लगता है कि किसी देश में उपभोक्ता व्यय घट रहा है, तो वे वहां निवेश करने से बचते हैं।

पिछले कुछ समय से हमारी विकास दर और उसमें विनिर्माण क्षेत्र की स्थिति संतोषजनक नहीं है। ऐसे में डालर की आवक कम हुई है। इस स्थिति में रुपए की कीमत घटनी शुरू हो जाती है। भारत में यह सिलसिला लगातार बना हुआ है। इससे अर्थव्यवस्था को लेकर चिंता बढ़नी स्वाभाविक है। सरकार अर्थव्यवस्था को पांच लाख करोड़ डालर तक ले जाने को संकल्पित है, मगर रुपए की गिरावट का रुख देखते हुए इसका भरोसा नहीं बन पाता।

हर हादसे से सबक लेने की बात लेकिन लापरवाही जारी

किसी भी हादसे का सबक यही होना चाहिए कि वैसी लापरवाहियां न बरती जाएं। हर तरह के सुरक्षात्मक इंतजाम किए जाएं, ताकि दोबारा वैसी त्रासदी न हो। मगर विडंबना है कि एक जैसी दुर्घटनाएं बार-बार हो जाती हैं और बहुस्तरीय लापरवाही कायम रहती है। करीब पांच महीने पहले उत्तर प्रदेश के हाथरस में एक धार्मिक आयोजन में भारी संख्या में जमा लोगों के बीच भगदड़ मच गई थी। उस घटना की भयावहता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि उसमें एक सौ तेईस लोगों की जान चली गई और डेढ़ सौ से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। ऐसा नहीं कि वह कोई अकेली घटना थी, जिसमें व्यवस्था में लापरवाही की वजह से लोगों की मौत हुई, बल्कि जब-तब उस तरह के आयोजन होते रहते हैं और उनमें कई तरह की लापरवाहियां हादसे को न्योता देती रहती हैं। जबकि आयोजकों और प्रशासन को यह अंदाजा रहता है कि अगर बड़ी संख्या में लोग किसी जगह जमा हो रहे हैं, तो वहां हादसे की आशंका होती है। गौरतलब है कि शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के मेरठ में एक कथावाचक का प्रवचन सुनने एक लाख से ज्यादा लोग जमा हो गए। खबरों के मुताबिक, आयोजन स्थल में प्रवेश द्वार पर फैली अव्यवस्था की वजह से कई महिलाएं गिर गईं। सुर्खियों में आए एक वीडियो में भी कुछ महिलाएं भीड़ में गिरती दिखीं, लेकिन पुलिस का बयान आया कि वहां भगदड़ जैसी स्थिति नहीं बनी। गनीमत थी कि कुछ लोगों के तत्काल सक्रिय होने की वजह से अफरातफरी की स्थिति कोई भगदड़ या बड़े हादसे में तब्दील होने से बच गई, वरना जितनी संख्या में लोग वहां पहुंचे थे, उसमें नतीजों का बस अंदाजा लगाया जा सकता है। सच यह है कि पहले हुए ऐसे हादसों के बावजूद, आयोजकों की लापरवाही और प्रशासन की अनदेखी के चलते ऐसी स्थिति बनी रहती है। ऐसे में कभी भगदड़ के कारण लोगों की मौत हो जाती है, तो उसके लिए आयोजकों को जिम्मेदार ठहरा कर असली कसूरवारों पर शायद ही कभी सख्त कार्रवाई होती है। नतीजतन, आस्था के नाम पर लाखों लोगों के जुटान के बावजूद सुरक्षा इंतजामों का सवाल आमतौर पर हाशिये पर रहता है।

आज का कार्टून

इंडिया गठबंधन के नेतृत्व को लेकर रार...

> इंडिया गठबंधन में नेतृत्व का मसला पहले भी कई बार उठ चुका है। गठबंधन का हर घटक दल नेतृत्व का दावा जताता रहा है। हास्यादपद यह है कि दावा जताने वाले अपने प्रभाव वाले राज्य में भी भाजपा को हराने में कामयाब नहीं हो सके। इस बार नेतृत्व की दुदंभी तृणमूल कांग्रेस प्रमुख और पश्चिमी बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की तरफ से बजाई गई है। ममता बनर्जी ने हालिया चुनावों और उपचुनावों में इंडिया ब्लॉक के प्रदर्शन पर निराशा जाहिर की और कहा कि वह इसकी कमान संभालने को तैयार है। ममता ने हालिया हरियाणा और महाराष्ट्र चुनाव में इंडिया ब्लॉक के खराब प्रदर्शन पर असंतोष जाहिर किया है और संकेत दिया कि अगर मौका मिला तो वह इंडिया ब्लॉक की कमान संभालने के लिए तैयार है। ममता बनर्जी सुप्रीमो ने कहा कि वह बंगाल की मुख्यमंत्री के रूप में अपनी भूमिका जारी रखते हुए विपक्षी मोर्चे को चलाने की दोहरी जिम्मेदारी संभाल सकती हैं।

योगेंद्र योगी

सूत न कपास, जुलाहों में लठ्ठम लठ। इंडिया गठबंधन के विपक्षी दलों की हालत कुछ ऐसी हो गई है। भाजपा गठबंधन से मुकाबला करने में विफल रहे विपक्षी दल के नेता नेतृत्व की कलह से जूझ रहे हैं। भाजपा से बुरी तरह शिकस्त खाने और राजनीतिक धरातल पर हैसीयत को स्वीकार किए बगैर विपक्षी नेता गठबंधन के नेतृत्व के जरिए भविष्य का प्रधानमंत्री बनने का सपना पाले हुए हैं। इन दलों का आधार बेशक एक राज्य से ज्यादा नहीं हो, किन्तु देश को नेतृत्व देने की आपसी होड़ में पीछे नहीं है। विपक्षी दलों के पास भाजपा से मुकाबला करने के लिए कोई एजेंडा तक नहीं है। लोकसभा चुनाव और हाल ही हुए उपचुनावों में इंडिया गठबंधन के दल आपस में ही मुकाबला करते रहे। विपक्षी दलों का ख्वाब है कि जिसके हाथ में नेतृत्व की कमान होगी, उसी के हाथ में देश की बागडोर होगी। ठोस रणनीति के अभाव में यह दिन में ख्वाब देखने जैसा है। इंडिया गठबंधन के दलों में आपस में ही नेतृत्व की होड़ मची हुई है। भाजपा के खिलाफ कोरी बयानबाजी से विपक्षी दलों के नेता बयानवीर साबित हो रहे हैं। लोकसभा और उससे पहले विधानसभा चुनावों में इंडिया गठबंधन ताश के पत्तों की तरह बिखर गया। विपक्षी दलों ने चुनाव जीतने के लालच में गठबंधन की धज्जियां उड़ाने में कसर बाकी नहीं रखी। गठबंधन की हालत उसे घोड़ागाड़ी जैसी हो गई जिसके घोड़े को हर घुडसवार अपने हिसाब से हांकना चाहता है। ऐसे में यह गठबंधन देश को नेतृत्व देने के मामले में आगे बढ़ने के बजाए पीछे खिसकता जा रहा है। इसी का परिणाम है कि भाजपा ने लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन को चारों खाने चित्त कर दिया।

इंडिया गठबंधन में नेतृत्व का मसला पहले भी कई बार उठ चुका है। गठबंधन का हर घटक दल नेतृत्व का दावा जताता रहा है। हास्यादपद यह है कि दावा जताने वाले अपने प्रभाव वाले राज्य में भी भाजपा को हराने में कामयाब नहीं हो सके। इस बार नेतृत्व की दुदंभी तृणमूल कांग्रेस प्रमुख और पश्चिमी बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की तरफ से बजाई गई है। ममता बनर्जी ने हालिया चुनावों और उपचुनावों में इंडिया ब्लॉक के प्रदर्शन पर निराशा जाहिर की और कहा कि वह इसकी कमान संभालने को तैयार है। ममता ने हालिया हरियाणा और महाराष्ट्र चुनाव में इंडिया ब्लॉक के खराब प्रदर्शन पर असंतोष जाहिर किया है और संकेत दिया कि अगर मौका मिला तो वह इंडिया ब्लॉक की कमान संभालने के लिए तैयार है। टीएमसी सुप्रीमो ने कहा कि वह बंगाल की मुख्यमंत्री के रूप में अपनी भूमिका जारी रखते हुए विपक्षी मोर्चे को चलाने की दोहरी जिम्मेदारी संभाल सकती हैं। ममता बनर्जी ने कहा कि मैंने इंडिया ब्लॉक का गठन किया था, अब मोर्चा का नेतृत्व करने वालों पर इसका प्रबंधन करने की जिम्मेदारी है। अगर वे इसे नहीं चला सकते, तो मैं क्या कर सकती हूं? मैं सिर्फ इतना कहूंगी कि सभी को साथ लेकर चलना होगा। ममता के इस बयान के बाद अन्य विपक्षी दलों के नेताओं की अतृप्त इच्छा में उबाल आ गया। गठबंधन के दल के नेता अब नेतृत्व का दावा ठोक रहे हैं। कांग्रेस सांसद वर्षा गायकवाड़ ने कहा कि ममता बनर्जी को ऐसा लगता है पर हमें ऐसा नहीं लगता।

इस पर चर्चा करेंगे। उनके कहने से उनकी पार्टी चलती है। हम तो कांग्रेस के कहने से चलते हैं, वहीं कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा कि ममता जी बड़ी नेता हैं लेकिन राहुल गांधी के अलावा देश में कोई नेतृत्व करने की स्थिति में नहीं है।

लेफ्ट नेता डी राजा ने कहा कि कांग्रेस को आत्मचिंतन करने की जरूरत है। हालात इंडिया ब्लॉक की मीटिंग की मांग करते हैं। कांग्रेस ने हरियाणा और महाराष्ट्र चुनावों में गठबंधन सहयोगियों को समायोजित नहीं किया। अगर कांग्रेस ने इंडिया ब्लॉक सहयोगियों की बात सुनी होती तो लोकसभा और हरियाणा-महाराष्ट्र में नतीजे अलग होते। शिवसेना यूबीटी के सांसद संजय राउत ने कहा कि हमें ममता बनर्जी की राय पता है। हम चाहते हैं कि ममता हमारे साथ रहें। हम सभी एक साथ हैं।

अगर कोई मतभेद भी हैं तो वो छोटे मोटे हैं। हम कोलकाता जाकर ममता बनर्जी से बात करेंगे। सपा प्रवक्ता उदयवीर सिंह ने कहा कि अगर ममता जी ने कोई इच्छा जाहिर की है तो इंडिया ब्लॉक नेता उस पर विचार करके उनका सहयोग लें। इससे इंडिया गठबंधन मजबूत होगा। नेतृत्व को लेकर मचे इस घमासान में लालू यादव की पार्टी कैसे पीछे रह सकती है। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और आरजेडी प्रमुख लालू यादव ने भी ममता बनर्जी को विपक्षी गठबंधन का नेता बनाने की मांग कर दी। लालू ने कहा कि कांग्रेस की आपत्ति का कोई मतलब नहीं है। हम ममता का समर्थन करेंगे। ममता बनर्जी को इंडिया ब्लॉक का नेतृत्व दिया जाना चाहिए। लालू यादव का यह बयान कांग्रेस के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है क्योंकि लालू यादव लंबे समय से कांग्रेस के पुराने साथी रहे हैं। लालू यादव की यह मांग कांग्रेस के लिए मुसीबत बन सकती है। गठबंधन में शामिल कुछ दल पहले से ही ममता बनर्जी को इंडिया गठबंधन की कमान सौंपने की वकालत कर चुके हैं। आरजेडी प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि बीजेपी के खिलाफ विपक्षी गठबंधन के असली आर्किटेक्ट लालू प्रसाद यादव हैं। उनकी पहल पर ही पटना में इंडिया गठबंधन की पहली बैठक हुई थी। इस बैठक में ममता बनर्जी भी शामिल हुई थी। सभी अपने-अपने राज्यों में बीजेपी के खिलाफ लड़ाई में जुटे हुए हैं। अभी झारखंड में हमें सफलता मिली है। पश्चिम बंगाल में बीजेपी के खिलाफ ममता बनर्जी मजबूती से लड़ाई लड़ती हैं। अब 2025 में बिहार की बारी है। बीजेपी के खिलाफ हमारा गठबंधन पूरी तरह एकजुट है।

गौरतलब है कि इंडिया गठबंधन को नेतृत्व देने की रस्साकसी में जुटे विपक्षी दलों के नेताओं में लोकसभा चुनाव से पूर्व हुई बैठकों में घोषणा पत्र को लेकर एकराय कायम नहीं हो सकी। घटक दल चुनावों में सीटों के वितरण को लेकर भी मतभेद का शिकार रहे। इनकी आपसी फूट का फायदा भाजपा को मिला। भाजपा गठबंधन तीसरी बार केंद्र में सरकार बनाने में कामयाब रहा। ममता बनर्जी का यह कहना कि वे बंगाल से बाहर नहीं जा सकती, ऐसे में चुनाव के दौरान देशभर में रैलियां और सभाओं की जिम्मेदारी कैसे निभा पाएंगी। यदि गठबंधन के दल ममता को नेता मान भी लें तो फिर वही यक्ष प्रश्न सीटों के बटवारे और राष्ट्रीय स्तर पर घोषणा पत्र को लेकर फिर से खड़ा होगा।

भाजपा विपक्षी गठबंधन पर मुस्लिम प्रेम और भ्रष्टाचार को लेकर हावी रही है। काफी हद तक भाजपा के लगातार तीसरी बार लोकसभा चुनाव में सफलता पाने की भी यही प्रमुख वजह मानी जाती है। इसके विपरीत इंडिया गठबंधन के सदस्य इन दोनों मुद्दों पर या तो खामोश रहे या फिर बंटे हुए नजर आए।

आश्चर्य यह है कि विपक्षी दलों ने लोकसभा और कुछ राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव और उप चुनावों के नतीजों से भी कोई सबक नहीं सीखा। गठबंधन के अनुभवी और दिग्गज नेता देश के मतदाताओं का मूड भांपने में नाकामयाब रहे हैं। इसके बावजूद नेतृत्व को लेकर जंग मची हुई। यह निश्चित है कि इंडिया गठबंधन का नेतृत्व चाहे किसी भी दल के नेता हो, जब तक गठबंधन की नीतियां स्पष्ट और दूरगामी नहीं होंगी, तब तक राष्ट्रीय स्तर पर देश के मतदाताओं का विश्वास जीतना आसान नहीं होगा।

खुद को श्रेष्ठ समझें, पर घमंड से दूर रहें...

> अक्सर लोग सफाई पेश करने के तौर पर अभिमान को स्वाभिमान की भावना से जोड़ देते हैं जो कहीं से भी सही प्रतीत नहीं होती। यह एक तरह का घालमेल है, जिसमें स्वाभिमान के नाम पर दंभ से लैस अभिमान को छिपाने की एक विफल कोशिश की जाती है। गर्व और घमंड शब्द आमतौर पर एक जैसा ही दिखाई जरूर देता है. हालांकि यो शब्द करीब एक जैसे होकर भी भाव में काफी अंतर रखते हैं। गर्व को जहां हम लोग सकारात्मक तरीके से लेते हैं, वही घमंड को नकारात्मक तरीके से। ऐसे में हमें घमंड को किसी भी परिस्थिति में अपने भीतर जगह नहीं देना चाहिए।

चंदन कुमार चौधरी

लोगों में एक आम धारणा है कि प्यासा, कुएं के पास जाता है। कुआं कभी प्यासे तक नहीं जाता। यानी अगर कोई जरूरतमंद है तो मदद उसे ही मांगनी पड़ेगी। मदद देने वाला व्यक्ति उसे मदद देने नहीं आएगा। कई बार ऐसा होता है कि मदद करने वाला व्यक्ति भी खुद प्रस्ताव देता है कि मैं सहायता कर देता हूं, लेकिन ऐसा अमूमन कम ही देखने को मिलता है। ऐसे में जिस व्यक्ति को मदद की जरूरत होती है, उसे ही सामने वाले से सहायता मांगनी चाहिए।

कई बार समाज में यह भी देखने को मिलता है कि जिस व्यक्ति को सहायता की जरूरत होती है, वह मदद नहीं मांगता है, बल्कि वह उम्मीद करता है कि कोई व्यक्ति खुद आकर उसकी सहायता करे। कुछ अंतर्मुखी और संकोची लोगों को छोड़ दिया जाए तो आमतौर पर देखा गया है कि इस तरह की सोच की वजह खुद को श्रेष्ठ समझना या घमंड होती है। उसे लगता है कि सहायता मांगने से उसकी तौहीन हो जाएगी। उसके बड़प्पन पर दाग लग जाएगी। ऐसे में वह मदद कैसे मांग सकता है? वह समझता है कि यह सामने वाले का कर्तव्य है कि वह खुद आकर यह प्रस्ताव पेश करे कि आपको जरूरत है और मैं सहायता करता हूं। जब ऐसा नहीं हो पाता है, तो अपने को श्रेष्ठ समझने वाले इंसान

को नुकसान उठाना पड़ता है। उसे भले ही नुकसान उठाना पड़ जाए, परेशानी झेलनी पड़ जाए, लेकिन वह फिर भी सहायता मांगने नहीं जाता। मांगने को वह अपना स्वभाव नहीं मानता। इसमें उसको अपनी प्रतिष्ठा दांव लगी दिखती है। क्या इस तरह अभिमान से ग्रस्त लोग ऐसा करके अपना भला करते हैं? कुछ लोग कहते हैं कि घमंड और अकड़ सिर्फ 'मृत शरीर' में हो सकती है। जिंदा इंसान में कभी घमंड नहीं हो सकता। अगर उसमें घमंड है तो समझना चाहिए कि वह इंसान नहीं है। हालांकि यह तथ्य है कि मृत शरीर में जान नहीं होती, इसलिए जीवित व्यक्ति के भीतर घमंड की तुलना मृत शरीर की प्रकृति से नहीं की जा सकती।

ऐसा लगता है कि श्रेष्ठता के भाव के कारण लोगों में दंभ का अंकुर अब धीरे-धीरे विशाल पेड़ बन रहा है। यह समाज की एक जटिल समस्या बनती गई है और ज्यादातर लोग इसके असर में आ रहे हैं। इसका कई स्तर पर नुकसान होता है, मगर लोग इस भाव से अलग नहीं होना चाहते और इससे चिपके रहना पसंद करते हैं। ऐसा लगता है जैसे वर्तमान समय में समाज में कई लोग अहंकार के रथ पर सवार हैं। कोई इस रथ से उतरना ही नहीं चाहता। लोगों को लगता है कि वह सामने वाले से ज्यादा अमीर और प्रतिभाशाली है।

साथ ही, उसकी उपलब्धि सामने वाले से कहीं अधिक है। यह संभव हो सकता है कि मगर अभिमान के कारण स्वाभाविक रूप से समाज में ईर्ष्या का प्रादुर्भाव शुरू होता है और लोग एक-दूसरे की तरक्की देख कर जलने लगते हैं, दूसरे को नीचे गिराने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार दिखते हैं। शायद यही वजह है कि समाज में आए दिन कई तरह की समस्याएं पनप रही हैं और यह एक-दूसरे से जुड़ी हुई लगती हैं।

हालांकि इस तरह के दंभ से किसी को कुछ हासिल नहीं होता। ऐसे में विचार करने वाली बात यह है कि फिर भी यह इतना पल्लवित-पुष्पित क्यों हो रहा है? आखिर समाज में यह अभिमान इतना पांव क्यों पसार रहा है? वसुधैव कुटुंबकम् वाले भारत वर्ष में लोगों के मन में इतनी संकीर्णता कहां से आ रही है? तरक्की अपने साथ कई तरह की समस्याएं भी साथ लाती हैं। तो क्या यह उसका परिणाम है? यह समझना मुश्किल है कि सामाजिक समरसता कहां समाप्त होती जा रही है?

यह एक मनोविज्ञान है कि लोगों में अक्सर घमंड श्रेष्ठता के भाव से शुरू होता है। यही श्रेष्ठता की ग्रंथि लोगों को एक-दूसरे से दूर करने लगती है। फिर धीरे-धीरे लोगों के मन में ईर्ष्या पनपने लगती है, लोग दूसरे लोगों को दुख-तकलीफ, समस्या में देख कर खुश होने लगते हैं। पता नहीं, समाज में ऐसा कौन-सा जहर अपनी जगह बना रहा रहा है, जिसके कारण लोगों को दूसरे को दुख-तकलीफ और समस्या में देख कर आनंद की अनुभूति होती है। यह कुंठा नहीं तो और क्या है?

अक्सर लोग सफाई पेश करने के तौर पर अभिमान को स्वाभिमान की भावना से जोड़ देते हैं जो कहीं से भी सही प्रतीत नहीं होती। यह एक तरह का घालमेल है, जिसमें स्वाभिमान के नाम पर दंभ से लैस अभिमान को छिपाने की एक विफल कोशिश की जाती है। गर्व और घमंड शब्द आमतौर पर एक जैसा ही दिखाई जरूर देता है. हालांकि यो शब्द करीब एक जैसे होकर भी भाव में काफी अंतर रखते हैं। गर्व को जहां हम लोग सकारात्मक तरीके से लेते हैं, वही घमंड को नकारात्मक तरीके से। ऐसे में हमें घमंड को किसी भी परिस्थिति में अपने भीतर जगह नहीं देना चाहिए।

यह याद रखने की जरूरत है कि घमंड से इंसान का कभी भी भला नहीं हुआ है। अगर कोई व्यक्ति सक्षम होने की वजह से कभी अभिमान के भाव से भर जाता है तो एक अच्छे नागरिक होने के कारण सहज व्यक्ति को यह प्रयास करना चाहिए कि उसे इस संजाल से बचाए। दरअसल, घमंड एक तरीके का रोग है। इससे जितना दूर रहा जाए मनुष्य के लिए उतना ही अच्छा। इससे मनुष्य और मानवीय संवेदनाएं जीवित रहेंगी।

एम.एस.एम. ई मंत्रालय, ईसीजीसी और डीजीएफटी के साथ उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रमः आत्मनिर्भर बनने की नई पहल

इंदौर। मॉडर्न इंस्टिट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज में भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय एम.एस.एम. ई ,डीजीएफटी, ईसीजीसी और अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों के सहयोग से एक अद्वितीय उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को स्व-उद्यमी बनने के लिए आवश्यक कौशल और जानकारी प्रदान करना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सुश्री हेमा (आइटीएस), सहायक महानिदेशक, डीजीएफटी, इंदौर कार्यालय, ने छात्रों को निर्यात-आयात की प्रक्रिया और उसके महत्व के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने सरकारी योजनाओं और अनुदानों के लाभों के बारे में भी छात्रों को जागरूक किया।

विशिष्ट अतिथियों में अमित कुमार बरेठा, प्रमुख, मध्यप्रदेश चैप्टर, इंदौर; विकास कुमार पटकर, ब्रांच मैनेजर, ईसीजीसी, इंदौर; और एस.एस. मंडलोई, जीएम, डिटीआईसी, इंदौर शामिल थे। इन विशेषज्ञों ने अपने अनुभव साझा किए और छात्रों को व्यवसाय के क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। इसके अलावा, सुश्री ममता, ब्रांच हेड, एक्सपोर्ट इंस्पेक्शन एजेंसी, इंदौर ने निर्यात-आयात के क्षेत्र में कार्य करने के बारे में छात्रों को महत्वपूर्ण जानकारी दी। कार्यक्रम में 200 प्रतिभागी उपस्थित थे, जो मुख्य रूप से एमआईपीएस के विभिन्न विभागों के छात्र थे। इन छात्रों ने उद्यमिता के बारे में गहरी जानकारी प्राप्त की और अपने भविष्य के व्यापारिक प्रयासों के लिए महत्वपूर्ण कौशल सीखा। छात्रों ने निर्यात और आयात

की प्रक्रियाओं, सरकारी योजनाओं और उनके व्यापार में लागू होने वाले लाभों के बारे में सवाल पूछे, जो कार्यक्रम को और भी इंटरैक्टिव और ज्ञानवर्धक बना गए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. अनिल खरिया, अध्यक्ष, एमआईपीएस ने की, जबकि संचालन डॉ. ए.के. सिंह, निदेशक, एमआईपीएस द्वारा किया गया।एमआइपीएस कीहेड ऑफ इंस्टीट्यूट, डॉ. सपना मालवीया भी इस कार्यक्रम में उपस्थित थीं,

यह कार्यक्रम पांच घंटे तक चला, जिसमें छात्रों को निर्यात और आयात की प्रक्रिया, सरकारी योजनाओं, अनुदानों और क्रेडिट सहायता की गहरी जानकारी दी गई। विशेष रूप से, ईसीजीसी ने भारतीय निर्यातकों को वाणिज्यिक और राजनीतिक जोखिमों से बचाने के लिए बीमा और क्रेडिट सहायता के महत्व को समझाया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. कुमार जैन ने धन्यवाद ज्ञापित किया और सभी अतिथियों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम के सफल संचालन में प्रोफेसर रोहित यादव, पुनीत दुबे, महिमा सोनी, काँची पाटोदी, और शीतल कुशवाहा प्रो. सुधी जीत सिन्हा का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस कार्यक्रम ने छात्रों को न केवल स्व-उद्यमिता की दिशा में प्रेरित किया, बल्कि उन्हें व्यावसायिक सोच और उद्यमिता के बारे में आवश्यक ज्ञान और मार्गदर्शन भी प्रदान किया, जिससे वे भविष्य में अपने उद्यम को सफलतापूर्वक आगे बढ़ा सकें।

संक्षिप्त समाचार

मैटर का एराथॉन निकल पड़ा नर्मदा परिक्रमा पर : संस्कृति, संरक्षण और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की यात्रा

भोपाल। भारत की अग्रणी इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता कंपनी मैटर ने नर्मदा परिक्रमा अध्याय के साथ अपनी एराथॉन भारत यात्रा जारी रखी है। मैटर ने एरा के माध्यम से गुजरात में 1,868 किलोमीटर की यात्रा की है। उस दौरान उसने सुंदरबन में अर्थडे.ऑर्ग की साझेदारी में 1,868 मैंग्रोव लगाए है। उस अध्याय की सफलता के बाद, एरा का अभियान अब नर्मदा नदी के सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और पारिस्थितिक महत्व का जश्न मना रहा है। यह नर्मदा परिक्रमा 14 दिसंबर को अमरकंटक में शुरू हुई। इस तरह नदी के उद्गम का सम्मान किया गया। इसके बाद यह यात्रा लोगोंसे बातचीत करते हुए डिंडोरी पहुंची। शहडोल में ऐतिहासिक विराट मंदिर में दर्शन कर के वह बांधवगढ़ में पर्यावरण रक्षा की बात करने के लिए आगे बढ़ी। बाद में एरा की टीम ने जबलपुर में पवित्र नर्मदा आरती में भाग लिया। फिर पचमढ़ी, होशंगाबाद से होते हुए, नदी की स्थायी विरासत का जश्न मनाने के लिए यात्रा भोपाल पहुँची। मैटर का यह 'एराथॉन भारत' अपनी तकनीकी उत्कृष्टता के प्रदर्शन से कहीं अधिक है; यह स्वच्छ, स्मार्ट गतिशीलता की ओर एक आंदोलन के रूप में उभरा है। नर्मदा परिक्रमा अध्याय के जरिए मैटर के एरा का असाधारण प्रदर्शन और बहुमुखी प्रतिभा पर प्रकाश डाला गया है। शांत नदी के किनारों से लेकर घने जंगल के रास्तों और हलचल भरे शहरों तक - विभिन्न इलाकों पर एरा आसानी से विजय प्राप्त करता है। यह परिक्रमा एरा की इस विश्वसनीयता, अनुकूलनशीलता और अभिनव डिजाइन का प्रदर्शन करता है। एरा की नर्मदा परिक्रमा भारत की समृद्ध प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत के लिए एक सम्मान दर्शाता है। यह जहां भी रुकी, उस पड़ाव पर, हमने नर्मदा नदी की स्थायी विरासत का जश्न मनाया और बातचीत के माध्यम से समुदायों को स्थायी गतिशीलता को अपनाने के लिए प्रेरित किया। यही हमारा उद्देश्य है। यह यात्रा पर्यावरण संरक्षण, सामुदायिक जुड़ाव और तकनीकी नवाचार के लिए मैटर की प्रतिबद्धता को दर्शाती है, मैटर टीम ने बताया।

बड़े एमओयू साइनिंग के साथ बिहार बिजनेस कनेक्ट 2024 का हुआ सफल समापन

पटना , एजेंसी। पहले दिन के शानदार आयोजन के बाद बिहार बिजनेस कनेक्ट 2024 के दूसरे दिन की शुरुआत भी काफी उत्साहजनक रूप से हुआ। माननीय उप मुख्यमंत्री श्री विजय कुमार सिन्हा ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। उनके साथ, माननीय उद्योग-सह-पर्यटन मंत्री श्री नीतीश मिश्रा, माननीय ऊर्जा मंत्री श्री बिजेंद्र प्रसाद यादव, श्री अमृत लाल मीणा, मुख्य सचिव, बिहार, श्री दीपक कुमार, सचिव, मुख्यमंत्री, श्री प्रत्यय अमृत, विकास आयुक्त, श्रीमती बन्दना प्रेयषी, सचिव, उद्योग विभाग, सम्बंधित विभागों के वरीय अधिकारी, एवं उद्योग जगत के गणमान्य व्यक्ति भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मंच पर गणमान्य अतिथियों का स्वागत और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। गणमान्य अतिथियों द्वारा कॉफी टेबल बुक- बिहार- ए जर्नी ऑफ इंडस्ट्रियल ट्रांसफॉर्मेशन का विमोचन भी किया गया, जिसमें सरकार की विभिन्न पहलों, नीतियों और नीतिगत सुधारों की विस्तृत जानकारी दी गई है।

12वीं के छात्र ने कर दिया कमाल, बनाया लोगों को लेकर उड़ने वाला ड्रोन

ग्वालियर। सिंधिया स्कूल के एक छात्र ने कमाल कर दिखाया है. उसने कड़ी मेहनत के बल पर अनूठा ड्रोन बनाने में सफलता हासिल की. ड्रोन को एक व्यक्ति बैठकर उड़ सकता है. फोर्ट में स्थित सिंधिया स्कूल के मेघावी छात्र का नाम मेधांश त्रिवेदी है. मेधांश त्रिवेदी ड्रोन का सफल परीक्षण भी कर चुका है. होनहार छात्र को सफलता तीन महीने की मशक्कत के बाद मिली. ड्रोन को तैयार करने में करीब साढ़े तीन लाख रुपये का खर्च आया।

एमएलडीटी 1 की जानें विशेषता

- फिलहाल 4 किलोमीटर की ऊंचाई तक उड़ान भरने में सक्षम
- 60 किलोमीटर प्रति घंटा की गति से मंजिल तक पहुंच सकता है
- अनूठे ड्रोन की चौड़ाई 1.8 मीटर और लंबाई 1.8 मीटर है
- ड्रोन में करीब 45 हॉर्स पावर से ज्यादा की क्षमता
- 80 किलो वजन को लेकर 6 मिनट तक हवा में भर सकता उड़ान

इंटर के छात्र ने किया कमाल मेधांश ने अनूठे ड्रोन को एमएलडीटी 1 नाम दिया है. होनहार छात्र ने बताया कि चीन के ड्रोन देखकर मन मे भी कुछ अलग करने का विचार आया. टीचर मनोज मिश्रा ने विचार को मूर्त रूप देने में छात्र को प्रोत्साहित किया. मेधांश का कहना है कि तकनीकी रूप से भी टीचर ने मदद की. छात्र का सपना अब एयर टैक्सी कंपनी शुरू करने का है. उसने लोगों के लिए सस्ता हेलीकॉप्टर भी उपलब्ध कराने की मंशा जताई है. ड्रोन बनाने के दौरान कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, आखिरकार शिक्षक और परिवार की मदद से छात्र सपने को साकार करने में सफल हुआ, एमएलडीटी 1 सामान्य ड्रॉन से एकदम अलग है, सिंधिया स्कूल के स्थापना दिवस समारोह पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और इसरो चीफ एस सोमनाथ ने मेधांश के इनोवेशन की जी खोलकर प्रशंसा की थी, मेधांश ने बताया कि ड्रोन बिना व्यक्ति के चार किलोमीटर तक उड़ान भर सकता है, हालांकि सुरक्षा के चलते 10 मीटर तक ही उड़ा रहे हैं. छात्र ने बताया कि फंडिंग की व्यवस्था होने पर ड्रोन को हाइब्रिड मोड पर लॉन्च करने का काम होगा. अभी एमएलडीटी 1 में एग्रीकल्चर ड्रोन की चार मोटर लगा है।

ऐसे मिली ड्रोन बनाने की प्रेरणा

मेधांश वर्तमान में सिंधिया स्कूल के इंटर का छात्र है, छात्र का कहना है कि आने वाले समय में आम लोगों के काम आने वाले ड्रोन का निर्माण भी होगा, ड्रोन का इस्तेमाल सामान दूसरी जगह पहुंचाने और एग्रीकल्चर में किया जा सकेगा, टीचर मनोज मिश्रा मेधांश की तारीफ करते हैं. उन्होंने बताया कि मेधांश कक्षा 7 से नए-नए आविष्कार के बारे में जानकारी लेता रहता था, मकसद कुछ अलग करने की थी. उन्होंने बताया कि खुद भी मॉडल तैयार करते हैं, मॉडल और चीन के मानव ड्रोन को देखने के बाद मेधांश को ड्रोन बनाने की प्रेरणा मिली मेधांश की प्रतिभा को देखकर स्कूल के स्टाफ भी मदद को आगे आए हैं बता दें कि सिंधिया स्कूल का संचालन सिंधिया राज परिवार करता है, ज्योतिरादित्य सिंधिया स्कूल के संरक्षक हैं।

पीएम कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस श्री अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में विश्व ध्यान दिवस का आयोजन किया गया

दिमाग की चाबी है ध्यानः प्राचार्य डॉ. ममता चंद्रशेखर

इंदौर। अगर आप अपने दिमाग की चाबी किसी और के हाथों में देना नहीं चाहते, आप चाहते हैं कि वह चाबी आपके ही हाथों में रहे तो उसका एक उपाय है ध्यान। यह बात जीएसीसी की प्राचार्य डॉ. ममता चंद्रशेखर ने कहीं। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस श्री अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में विश्व ध्यान दिवस का आयोजन किया गया। यह आयोजन हार्टफूलनेस संस्था तथा भारतीय योग संघ द्वारा प्रस्तावित संचालन प्रक्रिया के तहत आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ज्ञान के महत्व को बताते हुए प्राचार्य डॉ. ममता चंद्रशेखर ने कहा की ध्यान मन को एकाग्र करने का तरीका है जिसे आप कभी भी कहीं भी कर सकते हैं। इसके लिए आवश्यक नहीं है कि आप एक निश्चित जगह पर बैठे। खाते समय, चलते समय आप कहीं भी मन को एकाग्र कर ध्यान कर सकते हैं। ध्यान ही है जो अच्छा जीवन बेहतर जीवन जीने में सहयोगी बन सकता है। कार्यक्रम में प्रोफेसर अमर वतनानी ने कहा कि हर काम में ध्यान करना जरूरी है। अगर खाना बनाते समय हम मन को एकाग्र नहीं करेंगे तो खाना जल जाएगा या कच्चा रह जाएगा। उन्होंने कहा कि ध्यान के जरिए आप बड़ी से बड़ी असाध्य बीमारी को ठीक कर सकते हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों और प्रोफेसर ने ध्यान प्रक्रिया में हिस्सा लिया। इस मौके पर डॉ. सत्यप्रकाश पाण्डेय, डॉ. प्रगति भोकदनकर, डॉ. प्रिंसेस निगम, डॉ. भागवत राय, डॉ. श्रद्धा मालवीय ,डॉ. अरुण आर्य, डॉ. योगेश शेल्के, प्रोफेसर विमलेश पटेल आदि उपस्थित हुए कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर जितेंद्र खिलावदिया ने किया एवं आभार डॉक्टर आशुतोष सोनी ने माना। उक्त जानकारी प्रोफेसर वन्दना जोशी ने दी।

स्कूल शिक्षा विभाग की जली ट्यूबलाइट, हर कक्षा में एलईडी ट्यूबलाइट के दिए निर्देश

भोपाल। सर्दी का सितम है प्रदेश के कई जिलों में शीत लहर के चलते स्कूलों का टाइम टेबल भी बदल गया है. इसी बीच अब कड़ाके की ठंड के बाद स्कूल शिक्षा विभाग की ट्यूबलाइट भी जल गई है. सर्दी के मौसम में ट्यूबलाइट और बिजली की व्यवस्था याद आई है, स्कूल शिक्षा विभाग ने ठंड के मद्देनजर सरकारी स्कूलों में बिजली व्यवस्था सुचारू रखने के निर्देश दिए हैं. क्योंकि स्कूलों में रोशनी की व्यवस्था नहीं है. जिससे ठंड में विद्युत व्यवस्था बाधित होने पर कमरे में अंधेरा छा जाता है और पठन-पाठन में व्यवधान उत्पन्न होता है. ऐसे में अब विभाग ने बिजली की व्यवस्था करने का आदेश जारी किया है। लोक शिक्षण संचनालय ने माना कि स्कूलों में रोशनी की व्यवस्था नहीं है. प्रदेश के 7 हजार 125 सरकारी स्कूलों में रोशनी की व्यवस्था नहीं है. सर्दी के मौसम में दरवाजे खिड़की बंद करने के बाद स्कूल के कमरों में अंधेरा फैल जाता है, विभाग ने हर विकासखंड को 20 हजार रुपए देकर बिजली की व्यवस्था करने के लिए निर्देश हैं. साथ ही कहा कि कक्षा में पर्याप्त रोशनी के लिए कम से कम से कम चार एलईडी या ट्यूबलाइट की व्यवस्था रखें।

JEE Advanced 2025 information brochure out, registration begins on April 23

JEE Advanced, AAT 2025 dates released: The Indian Institute of Technology (IIT), Kanpur, has released the information brochure for the Joint Entrance Examinations Advanced and Architecture Aptitude Test (AAT) 2025 on its official website. The JEE Advanced 2025 examination will be conducted on May 18, and registration will start on April 23, with the last day being May 2.The last day to pay the registration fee for JEE Advanced 2025 is May 5. The provisional answer key will be released May 26 and the results and the final answer key will be declared on June 2. The JEE Advanced admit cards will be released on May 11. Candidates will get time till May 18 to download the hall ticket. Both the exams will be conducted in a computer-based mode. Paper 1 will be conducted between 9 am to noon while paper 2 will be held between 2:30 pm to 5:30 pm. The dates of the examination will not be changed even if a public holiday is declared. PwD candidates having disabilities with at least 40 per cent impairment as applicable, are eligible for one-hour compensatory time for each paper, read the brochure. Candidates must rank among the top 2,50,000 in the BE/BTech paper of JEE (Main) 2025.

JEE Advanced 2025: Eligibility- –Candidates should have been born on or after October 1, 2000. A relaxation of 5 years is provided for SC, ST, and PwD candidates. The brochure also includes the dates for the AAT 2025. BArch programme is available at IIT (BHU) Varanasi, IIT Kharagpur and IIT Roorkee only and candidates who want to join the programme will have to pass the Architecture Aptitude Test (AAT). Candidates who will qualify for JEE (Advanced) 2025 are eligible to appear in AAT 2025.

UPSC CSE 2024: UPSC Civil Services interview schedule released at upsc.gov.in

The Union Public Service Commission (UPSC) today released the schedule for the Personality Tests (Interviews) of the Civil Services (Main) Examination. As per the schedule, the UPSC interviews will begin from January 7, 2025. The detailed schedule has been uploaded at the UPSC website — upsc.gov.in. The interview schedule of 2845 candidates, indicating their roll number, date and session of interview from January 7 to April 17. 2025 has been uploaded at the UPSC website. Reporting time for forenoon session is 9 am and 1 pm for the afternoon session.

UPSC also stated that the e-summon letters of interviews of the selected 2845 candidates will be made available shortly, which may be downloaded from the official website of the Commission. No request for change in the date and time of the personality test intimated to the candidates will ordinarily be entertained.Additionally, the candidate who has not finally submitted the DAF-II within the stipulated date and time, his/her candidature shall be cancelled and no e-Summon Letter shall be issued to that candidate as instructed earlier in para 5.2 of the Press Note/Notice dated 09.12.2024 declaring the result of written part of Civil Services (Main) Examination-2024.

Candidates appearing for interview will be granted reimbursement towards travelling expenses for appearing in the interview which will be restricted only to the Second/Sleeper class train fare (Mail Express). In case, the candidates perform their journey by any other mode/class, the same will be dealt as per S.R.-132 and the Commission's guidelines, available on the Commission's website. The candidates will have to submit hard copies/Print out of both ways tickets, showing the details of fare alongwith the prescribed T.A. contribution claim form duly filled in duplicate. The TA bill form are available at the official website.

एक्सिस बैंक ने भारतीय ओलंपियंस की अगली पीढ़ी को सपोर्ट करने के लिए ओजीक्यू-फाउंडेशन फॉर प्रमोशन ऑफ स्पोर्ट्स एंड गेम्स और इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

मुंबई। देश में निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंकों में से एक एक्सिस बैंक ने आज अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत ओजीक्यू-फाउंडेशन फॉर प्रमोशन ऑफ स्पोर्ट्स एंड गेम्स (एफपीएसजी) और इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट (आईआईएस) के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की। दोनों साझेदारियों का उद्देश्य खेल के उच्चतम स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने वाले भारतीय एथलीटों की वर्तमान पीढ़ी को सपोर्ट करना और युवा भारतीय एथलीटों की अगली पीढ़ी को संरक्षण प्रदान करना है। इन साझेदारियों के साथ, एक्सिस बैंक पहली बार सीएसआर के तहत खेलों से जुड़ी गतिविधियों को सपोर्ट कर रहा है। इस तरह बैंक ने देश में खेलों से संबंधित ईको- सिस्टम के विकास में योगदान देने की अपनी प्रतिबद्धता को एक बार फिर रेखांकित किया है।

ओजीक्यू-एफपीएसजी कार्यक्रम के साथ बैंक की साझेदारी के माध्यम से तीरंदाजी, बैडमिंटन, मुक्केबाजी, निशानेबाजी, कुश्ती, एथलेटिक्स, तैराकी, टेबल टेनिस, भारोत्तोलन, स्क्वैश सहित 10 व्यक्तिगत ओलंपिक खेलों और 8 पैरालिंपिक खेलों- एथलेटिक्स, तीरंदाजी, बैडमिंटन, निशानेबाजी, पावर लिफ्टिंग, टेबल टेनिस, कैनो, ब्लाइंड जूडो में खिलाड़ियों को सपोर्ट किया जाएगा। साझेदारी के तहत चार वर्षों में 150 एथलीटों और पैरा-एथलीटों को समर्थन प्रदान किया जाएगा और साथ ही यह भी

सुनिश्चित किया जाएगा कि उनके पास विश्व स्तरीय उपकरण, विशेषज्ञ कोचिंग, पोषण संबंधी मार्गदर्शन, मेंटल कंडीशनिंग और चोट या घायल होने पर पुनर्वास कार्यक्रमों तक पहुंच हो, ताकि वे ओलंपिक और अन्य अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों में देश के लिए पदक ला सकें।

इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट के सहयोग से, बैंक मणिपुर राज्य में एक्सिस बैंक जूडो डेवलपमेंट प्रोग्राम शुरू कर रहा है। तीन वर्षों में, कार्यक्रम का लक्ष्य राज्य के साथ-साथ उत्तर-पूर्वी भारत के अन्य हिस्सों के युवा जूडोकाओं के जमीनी स्तर के विकास का समर्थन करना, युवा एथलीटों की बेहतर कोचिंग और प्रशिक्षण सुविधाओं तक पहुँच में सुधार करना और क्षेत्र और देश के लिए विश्व स्तरीय जूडो प्रतिभाओं का एक समूह तैयार करना है। कार्यक्रम के तहत कुल 90 एथलीटों को सपोर्ट किया जाएगा, जिसमें मणिपुर के 50 युवा जूडोका शामिल हैं। इन्हें मणिपुर में जमीनी स्तर की कोचिंग और प्रशिक्षण मिलेगा, और साथ ही पूरे भारत से 40 महिला जूडोकाएं भी इसमें शामिल की जाएंगी, जिन्हें कर्नाटक के विजयनगर में अत्याधुनिक आईआईएस परिसर में अध्ययन और प्रशिक्षण के लिए पूर्ण छात्रवृत्ति मिलेगी। कार्यक्रम में बोलते हुए, एक्सिस बैंक के ग्रुप एक्जीक्यूटिव - स्ट्रेटेजिक प्रोग्राम्स एंड सस्टेनेबिलिटी विजय मुलबागल ने कहा, एक्सिस बैंक भारत में जीवंत खेल ईको-सिस्टम का समर्थन करने की दिशा में ओजीक्यू प्रोग्राम और इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट के साथ साझेदारी करके प्रसन्न है। इन दो विश्व स्तरीय कार्यक्रमों के लिए हमारी साझेदारी के माध्यम से, हम देश में मौजूद अंतर्निहित खेल प्रतिभाओं को खोजने और उन्हें संरक्षण प्रदान करने में मदद करना चाहते हैं, ताकि वे न केवल अपने खेल विषयों में उच्चतम स्तर पर सफल हो सकें, बल्कि जिम्मेदार, आत्मविश्वासी व्यक्ति के रूप में भी विकसित हो सकें।

ओजीक्यू- फाउंडेशन फॉर प्रमोशन ऑफ स्पोर्ट्स एंड गेम्स के एमडी और सीईओ वीरेन रस्किन्हा ने टिप्पणी की, हमें बहुत खुशी है कि एक्सिस बैंक ओजीक्यू समर्थकों के परिवार में शामिल हो रहा है, जो भारतीय एथलीटों को ओलंपिक और पैरालिंपिक स्वर्ण पदक जीतने में मदद कर रहा है। ओजीक्यू के लिए एक्सिस बैंक की प्रतिबद्धता हमारे प्रयासों को मजबूत करती है क्योंकि हम एक राष्ट्र के रूप में खेलों की दुनिया में उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) और राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) के साथ मिलकर काम करते हैं।

टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड ने पीएम सूर्य घर योजना को बढ़ावा देने के लिए केनरा बैंक के साथ की साझेदारी

मुंबई, एजेंसी। टाटा पावर कंपनी लिमिटेड की सहायक कंपनी और भारत के अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में अग्रणी, टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (टीपीआरईएल) ने पीएम सूर्य घर योजना के तहत रूफटॉप सोलर सिस्टम को अपनाने की प्रक्रिया को बढ़ावा देने के लिए देश में सार्वजनिक क्षेत्र के प्रमुख बैंकों में से एक, केनरा बैंक के साथ हाथ मिलाया है। इस गठजोड़ का उद्देश्य है, आकर्षक वित्तपोषण विकल्प प्रदान कर घरों के लिए सौर ऊर्जा समाधानों तक पहुंच को आसान बनाना, ताकि लोगों को वहनीय ऊर्जा भविष्य की ओर बढ़ने में मदद की जा सके। इस पहल के अंग के रूप में, घरों को पीएम सूर्य घर योजना के तहत लोगों की ज़रूरत के अनुरूप वित्तपोषण विकल्पों से लाभ मिल सकता है। इस पहल को रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन को अधिक सुलभ और किफायती बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

यह योजना 3 किलोवाट तक की क्षमता वाले सिस्टम के लिए, 10 प्रतिशत मार्जिन मनी आवश्यकता, कोलैटरल-मुक्त वित्तपोषण, 7 प्रतिशत सालाना की प्रतिस्पर्धी ब्याज दर और 10 वर्ष तक की अवधि के साथ 2 लाख तक का ऋण प्रदान करती है। 3 किलोवाट और 10 किलोवाट के बीच के सिस्टम के लिए, यह योजना 20 प्रतिशत मार्जिन मनी की आवश्यकता, कोलैटरल-मुक्त वित्तपोषण और 10 प्रतिशत प्रति वर्ष की ब्याज दरों के साथ 6 लाख तक का ऋण प्रदान करती है और ऋण अवधि अधिकतम 10 वर्ष है। ये विकल्प वित्तीय लचीलापन सुनिश्चित करते हैं और स्वच्छ ऊर्जा समाधानों को अपनाने में परिवारों की मदद करते हैं। टीपीआरईएल के मुख्य कार्यकारी और प्रबंध निदेशक, श्री दीपेश नंदा ने कहा, यह पहल भारत में सौर ऊर्जा को व्यापक रूप से अपनाने के लिए टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड के लक्ष्य के साथ पूरी तरह मेल खाती है।

नई पीढ़ी के लिए एक उभरता हुआ करियर है ऑडियो इंजीनियरिंग

एक समय ऐसा था, जब आवाज को उसके मूल रूप में ही रिकॉर्ड किया जाता था, परन्तु आज उसमें काफी हद तक बदलाव लाया जा सकता है। यह सब संभव हो पाया है 'ऑडियो इंजीनियरिंग' से। ऑडियो इंजीनियरिंग, ऑडियो साइंस की ही एक शाखा है। इसमें साउंड कैप्चर करने, रिकॉर्डिंग करने, कॉपी करने, एडिटिंग एवं मिक्सिंग करने, इलेक्ट्रॉनिक एवं मैकेनिकल उपकरणों द्वारा आवाज में उतार-चढ़ाव लाने संबंधी कार्य किए जाते हैं। यह पूरा कार्य पोस्ट प्रोडक्शन के अंतर्गत आता है। ऑडियो इंजीनियरिंग नई पीढ़ी के लिए एक उभरता हुआ करियर है, जो भारत एवं विदेश दोनों जगह फिल्म, वीडियो प्रोडक्शन, साउंड ब्रॉडकास्टिंग एवं एडवर्टाइजिंग में संभावनाएं तलाशता है।

क्वालिफिकेशन

एक सफल ऑडियो इंजीनियर बनने के लिए ऑडियोग्राफी, साउंड रिकॉर्डिंग एवं ऑडियो इंजीनियरिंग में डिप्लोमा अथवा डिग्री कोर्स का होना आवश्यक है। वैसे तो इस फील्ड में किसी विशेष शैक्षिक योग्यता की दरकार नहीं होती, परन्तु ऑडियो इंजीनियरिंग में बैचलर अथवा पीजी डिग्री को वरीयता दी जाती है। जहां तक डिमांड की बात है तो ऑडियो इंजीनियर बनने के लिए फिजिक्स अथवा मैथ्स की आधारभूत जानकारी सहायक साबित होती है, जिसके दम पर वे रिकॉर्डिंग रूम में कई तरह की प्रतिध्वनि का आकलन कर सकते हैं। इसमें अधिक प्रैक्टिकल ज्ञान के आधार पर एक अच्छा ऑडियो इंजीनियर बना जा सकता है। जिन छात्रों के पास इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग एवं फाइन आर्ट की पृष्ठभूमि रही है, वे भी इस कोर्स के लिए उपयुक्त साबित हो सकते हैं। साथ ही उन्हें रिकॉर्डिंग उपकरणों जैसे मिक्सिंग कंसोल्ड एवं माइक्रोफोन की जानकारी भी होनी चाहिए। इस कार्य में उन्हें डिजिटल ऑडियो स्टेशन, स्पीकर, एंप्लीफायर सहित कई अन्य म्यूजिक उपकरणों का प्रयोग करना पड़ता है।

पर्सनल स्किल्स

एक ऑडियो इंजीनियर को टेक्निकल नॉलेज, इलेक्ट्रिकल एप्टीट्यूड, इलेक्ट्रॉनिक्स, मैकेनिकल सिस्टम एवं इक्विपमेंट की जानकारी होनी आवश्यक है। म्यूजिक प्रोडक्शन में टीम वर्क, अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स आपके काम को गति दे सकते हैं। एकाग्रता, धैर्य, अच्छी समझ, अच्छी लय की जरूरत, अच्छी रिद्म जैसे गुण ऑडियो इंजीनियर के लिए आवश्यक हैं। साथ ही उसे रिकॉर्डिंग माध्यमों जैसे एनालॉग टेप, डिजिटल मल्टीट्रैक रिकॉर्डर एवं कम्प्यूटर नॉलेज की जानकारी भी सहायता दिला सकती है।

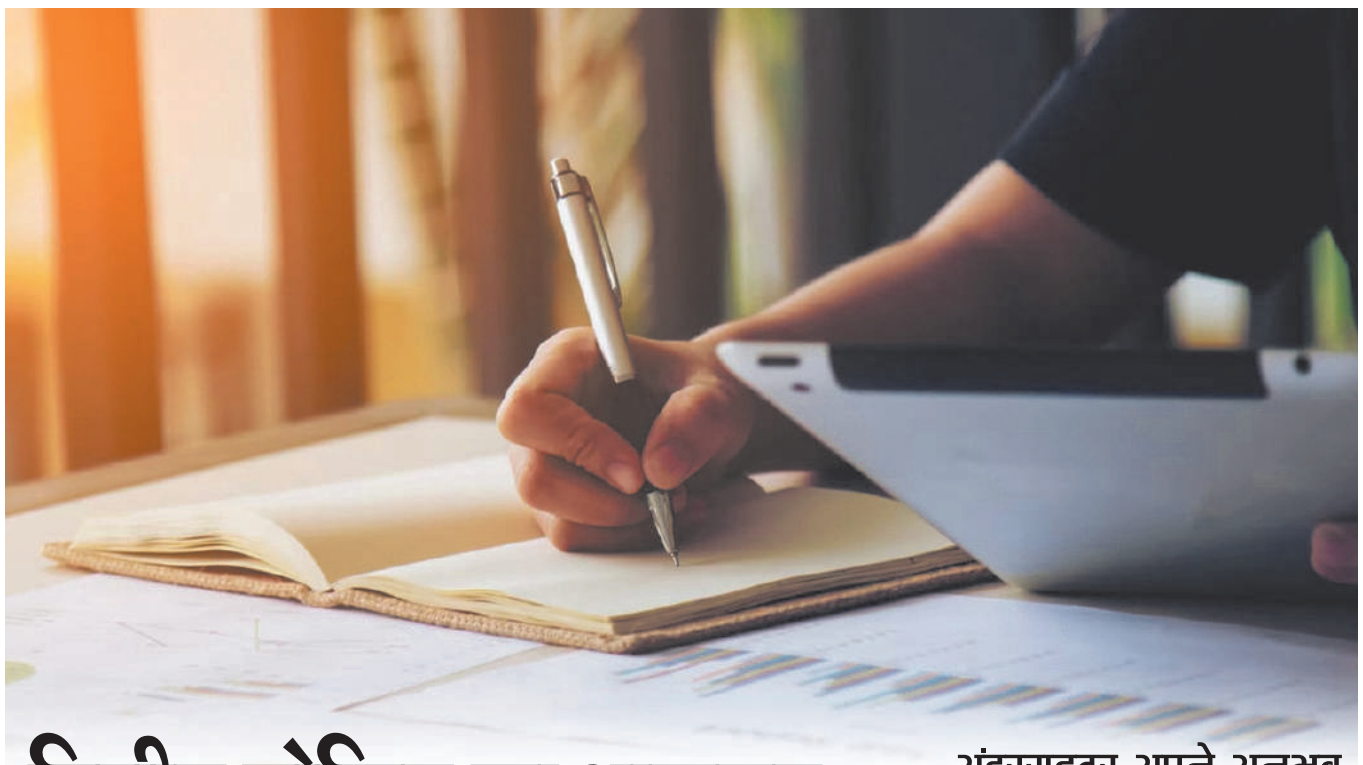

वित्तीय जोखिम का आकलन करते हैं अंडरराइटर

वित्तीय उद्योग विभिन्न पेशेवरों से भरा हुआ है जो कई अलग-अलग क्षमताओं में सेवा करते हैं। बैंक टेलर, बीमा एजेंट, वित्तीय सलाहकार, पोर्टफोलियो मैनेजर कुछ ऐसे पद हैं जो इस उद्योग को बनाते हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि कौन से पेशेवर क्रेडिट और उधार देने के फैसले के पीछे जोखिम का आकलन करते हैं? इन व्यक्तियों को हामीदार या अंडरराइटर कहा जाता है।

अंडरराइटर्स मूल्यांकन करते हैं और मूल्यांकन करते हैं कि वित्तीय जोखिम लेने लायक है या नहीं। आप वित्तीय उद्योग के विभिन्न हिस्सों में अंडरराइटर्स पा सकते हैं, जिसमें उधार, बीमा, इक्विटी बाजार और यहां तक कि सुरक्षा व्यापार भी शामिल है। जब भी आप व्यक्तिगत ऋण, स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी, या बंधक के लिए आवेदन करते हैं तो कुछ कंपनियां अपने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश लॉन्च करती हैं, जबकि अन्य आपके आवेदन की समीक्षा करती हैं। यदि आपको यह एक रोमांचक करियर पथ की तरह लगता है, तो आप शैक्षिक आवश्यकताओं और पेशेवर योग्यताओं के बारे में सोच सकते हैं जिनकी आपको आवश्यकता होगी।

अंडरराइटर बनने के लिए आवश्यकताएँ

यदि आप एक हामीदार बनना चाहते हैं तो कुछ चीजें हैं जिन्हें आपको ध्यान में रखना होगा। आवश्यकताएं अक्सर उप-क्षेत्र और उस क्षेत्राधिकार के आधार पर भिन्न होती हैं जिसमें आप काम करते हैं। अंडरराइटर बनने के लिए आपको स्नातक की डिग्री की आवश्यकता हो सकती है जिसमें अर्थशास्त्र, व्यवसाय, लेखा, वित्त, या गणित में शोध शामिल होता है। अंडरराइटिंग के लिए विश्लेषणात्मक, कंप्यूटर, संचार और गणित कौशल सहित विशेष कौशल की एक श्रृंखला की आवश्यकता होती है।

नए कर्मचारियों को वरिष्ठ हामीदारों से ऑन-द-जॉब प्रशिक्षण मिलता है और उन्हें अपने करियर में आगे बढ़ने के लिए प्रमुख प्रमाणन कार्यक्रमों को पूरा करना होगा। आप एंट्री-लेवल की नौकरी से लेकर वरिष्ठ पद तक, उच्च वेतन के साथ पाँच से 10 वर्षों के भीतर अपना काम कर सकते हैं।

अंडरराइटर की भूमिका क्या होती है?

अंडरराइटर अपने अनुभव के आधार पर यह निर्णय लेता है कि अनुबंध जोखिम भरा होगा या यह लेने लायक होगा या नहीं। उदाहरण के लिए एक हामीदार जो स्वास्थ्य बीमा कंपनियों के साथ काम करता है, आवेदकों के स्वास्थ्य जोखिमों का विश्लेषण करता है। एक अंडरराइटर के काम में उम्र, वर्तमान स्वास्थ्य स्थिति और चिकित्सा और पारिवारिक इतिहास सहित आवेदक के विवरण की जांच करना शामिल होता है। इस जानकारी का उपयोग करते हुए और अन्य औपचारिकताओं के बाद वह अंडरराइटिंग सॉफ़्टवेयर में जानकारी दर्ज करता है। सॉफ्टवेयर प्रीमियम की राशि और बीमा प्रदाता कंपनी को पॉलिसी पर लागू होने वाली शर्तों का निर्धारण करता है। एक स्वास्थ्य बीमा कंपनी का हामीदार चिकित्सा जानकारी की समीक्षा करता है, जबकि एक ऋण हामीदार ग्राहक के क्रेडिट इतिहास जैसे कारकों का आकलन करता है। अंडरराइटर का काम जटिल होता है। बीमा हामीदार व्यक्तियों को जोखिम के स्वीकार्य स्तर को निर्धारित करने में सक्षम होना चाहिए । जटिल परिस्थितियों की जांच करते समय एक हामीदार को शोध करने और बहुत सारी जानकारी प्राप्त करने की आवश्यकता हो सकती है। एक हामीदार ऋण और इक्विटी बाजार, गिरवी और बीमा जैसे क्षेत्रों में किसी अन्य पार्टी के जोखिम का आकलन करता है।

अंडरराइटर अपने अनुभव के आधार पर यह निर्णय लेता है कि अनुबंध जोखिम भरा होगा या यह लेने लायक होगा या नहीं। उदाहरण के लिए एक हामीदार जो स्वास्थ्य बीमा कंपनियों के साथ काम करता है, आवेदकों के स्वास्थ्य जोखिमों का विश्लेषण करता है।

शिक्षा

एक हामीदार बनने के लिए आपको आमतौर पर स्नातक की डिग्री की आवश्यकता होती है। गणित, बिज़नेस, अर्थशास्त्र और वित्त के पाठ्यक्रम इस क्षेत्र में फायदेमंद होते हैं क्योंकि वे निश्चित रूप से आपके द्वारा किए जा रहे किसी भी काम में उपयोगी हो सकते हैं। एक अच्छा हामीदार भी विस्तार-उन्मुख होता है और उसके पास गणित, संचार, समस्या-समाधान और निर्णय लेने में उत्कृष्ट कौशल होता है। एक बार काम पर रखने के बाद आप आमतौर पर वरिष्ठ हामीदारों की देखरेख में काम पर प्रशिक्षण लेते हैं। एक प्रशिक्षु के रूप में आप सामान्य जोखिम कारकों और हामीदारी में उपयोग किए जाने वाले बुनियादी अनुप्रयोगों के बारे में सीखते हैं। जैसे-जैसे आप अधिक अनुभवी होते जाते हैं आप स्वतंत्र रूप से काम करना शुरू कर सकते हैं और अधिक जिम्मेदारी ले सकते हैं।

कौशल

शिक्षा ही एकमात्र ऐसी चीज नहीं है जो आपको इस क्षेत्र में आगे बढ़ने में मदद कर सकती है। विशेष कौशल का एक सेट भी है जो आपको अपना करियर बनाने में और आगे बढ़ने में आपकी मदद कर सकता है। यहां कुछ प्रमुख कौशल दिए गए हैं जिनकी आपको आवश्यकता होगी -

- विश्लेषणात्मक कौशल
- संचार कौशल
- कंप्यूटर कौशल
- गणित कौशल

अंडरराइटिंग में कॅरियर शुरू करने का सबसे आसान तरीका अच्छी शिक्षा प्राप्त करना है। गणित, लेखा, अर्थशास्त्र और किसी भी अन्य संबंधित क्षेत्र में स्नातक की डिग्री मदद करती है। सुनिश्चित करें कि आपके पास विश्लेषणात्मक और संचार कौशल सहित सही कौशल हैं और प्रमाणित हों। एक बार जब आपके पास वह सब कुछ हो जाए तो प्रवेश स्तर की नौकरियों की तलाश करें जो आपको वह प्रशिक्षण प्रदान कर सकें जो आपको अपने कॅरियर में आगे बढ़ने के लिए चाहिए।

होटल इंडस्ट्री में बनें फ्रंट ऑफिस मैनेजर

होटल इंडस्ट्री में बतौर प्रशिक्षु से लेकर प्रबंधक तक न जाने कितने अवसर हैं जहां से अपने करियर की राहें आसानी से तय कर सकते हैं। यूं तो होटल इंडस्ट्री में प्रबंधक, फ्रंट ऑफिस/रिसेप्शनिस्ट, फूड एंड बेवरेज, हाउसकीपिंग/बुक कीपिंग, काउंटर सर्विस, मार्केटिंग विभाग इत्यादि कई तरह के विभाग हैं लेकिन इनमें फ्रंट ऑफिस मैनेजर एक अहम विभाग होता है।

फ्रंट ऑफिस

फ्रंट ऑफिस व्यवसाय से जुड़ा शब्द है जो किसी कंपनी के उस विभाग को इंगित करता है जो ग्राहकों के सीधे संपर्क में आता है। इसमें मार्केटिंग, सेल्स और सर्विस से जुड़े लोग भी शामिल होते हैं। जहां तक होटल इंडस्ट्री का सवाल है तो इसमें फ्रंट ऑफिस होटल में आने वाले अतिथियों का स्वागत करता है, उनसे मिलता है, उनका उचित अभिवादन करता है, उनका रिजर्वेशन करता है, उनके चेक इन और चेक आउट की व्यवस्था देखता है, सुरक्षा विभाग व अन्य को चाबियां सौंपता है व वापस लेता है, अतिथियों को संदेश देता है और रुपये पैसे का हिसाब किताब करता है।

कार्य प्रकृति

फ्रंट ऑफिस हर उस काम को करने में तत्पर होता है जिससे ग्राहकों यानी अतिथियों को किसी प्रकार की दिक्कत न हो, उन्हें हर तरह से संतुष्ट किया जा सके। होटल के मानकों का पालन करते हुए अपनी सेवा से संतुष्टर करने में फ्रंट ऑफिस अपनी उपयोगिता साबित करता है। इस विभाग के लिए एक प्रबंधक नियुक्त होता है जो फ्रंट ऑफिस ऑपरेशन को देखता है और पूरे बिजनेस प्लान के अनुसार हर काम व्यवस्थित रखता है। वह सुनिश्चित करता है कि होटल में आने वालों को यथासंभव सबसे अच्छी सर्विस दी जा सके। वह फ्रंट ऑफिस का अगुआ होने के नाते वहां से दी जाने वाली सेवाओं में किसी कोताही की गुंजाइश को खत्म करता है, साफ सफाई का ध्यान रखता है, मुस्कुराते हुए अतिथियों का स्वागत करता है और उन्हें यह अहसास कराने की कोशिश करता है कि वे सही होटल में हैं जहां उनका सबसे अच्छा ख्याल रखा जाएगा।

कोर्स

फ्रंट ऑफिस होटल मैनेजमेंट का एक अहम विभाग है। होटल मैनेजमेंट 12वीं के बाद कर सकते हैं। स्नातक करने के बाद और भी रास्ते खुल जाते हैं। यानी डिग्री, डिप्लोमा, स्नातकोत्तर डिप्लोमा सभी मौजूद हैं। बेकरी एडं कंफेक्षनरी या होटल रिसेप्शन एंड बुक कीपिंग या रेस्तरां व काउंटर सर्विस में एक साल का डिप्लोमा, डिप्लोमा इन होटल मैनेजमेंट, बीएससी इन होटल मैनेजमेंट, एमएससी इन हॉस्पिटेलिटी एडमिनिस्ट्रेशन, इसके अलावा पीजी डिप्लोमा इन होटल मैनेजमेंट, फ्रंट ऑफिस एंड टूरिज्म मैनेजमेंट, एकोमोडेशन ऑपरेशन जैसे कोर्स प्रचलन में हैं।

कहां कहां है अवसर

होटल मैनेजमेंट पाठयक्रम करने वालों के लिए कई विकल्प मौजूद हैं जिनमें वे करियर बना सकते हैं। रिसॉर्ट से लेकर फाईव स्टार होटलों तक हर राज्य के पर्यटन विभाग से लेकर एविएशन तक अनगिनत जॉब हैं, फास्ट फूड चेन (मेकडोनाल्ड, केएफसी, निरूलाज), रेलवे या बैंक या बड़े संस्थानों में केटरिंग या कैंटीन, एयरलाइंस, हॉस्पिटल, मॉल, मल्टीप्लेक्स, हेल्थ क्लब जैसी जगहों पर रोजगार पा सकते हैं विदेशों में भी होटल मैनेजमेंट में डिग्री/डिप्लोमा कर चुके छात्रों की खूब डिमांड है। और सबसे अहम यह कि आप यह कोर्स कर स्वरोजगार भी शुरू कर सकते हैं।

पुस्तक प्रकाशन में अपार संभावनाएं

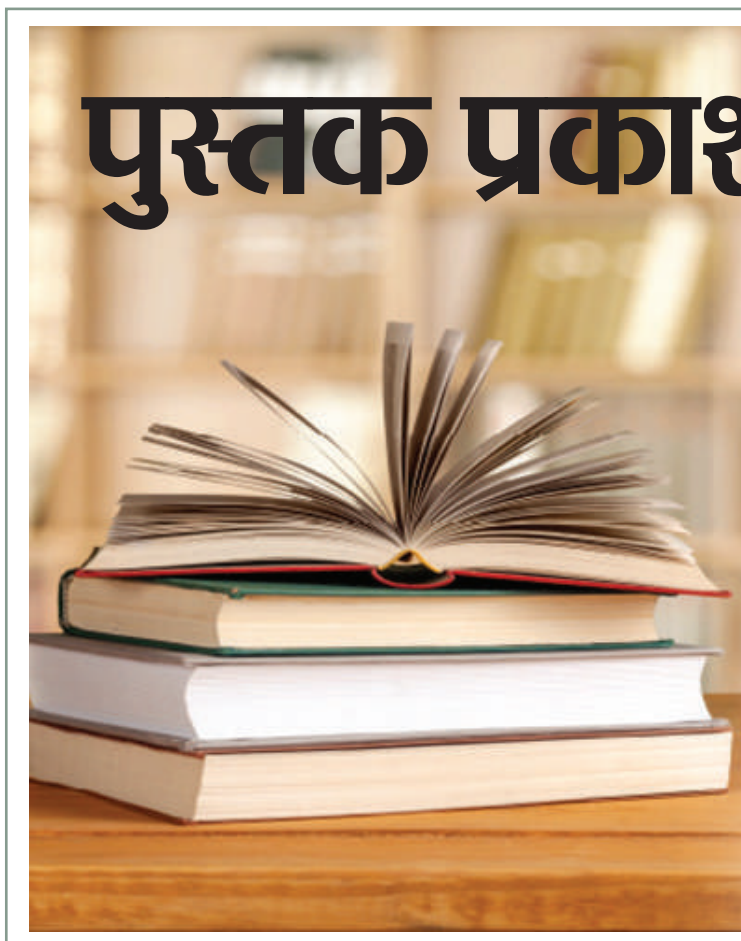

भारतीय बुक पब्लिशिंग इंडस्ट्री (पुस्तक प्रकाशन) आज न सिर्फ देश तक समिति रही है बल्कि उसने अंतर्राष्टीय वाचकों तक भी पुस्तकें पहुचांने का काम बहुत तेजी से किया है। आधुनिक तंत्रज्ञान के कारण आज प्रिटिंग के क्षेत्र में भी एक नई क्रांति ला दी है। जिस प्रकार इस डिजिटल युग में आज नई प्रिटिंग टेक्नालॉजी आ गई है, ठीक उसी प्राकर डिजाइनिंग और वांइडिग के क्षेत्र में भी नए-नए आयाम उपलब्ध हैं। अब किसी भी व्यवसाय को बढ़ाने के लिए मार्केट के ट्रेंड को समझना बहुत आवश्यक होता है। इसके लिए अच्छा बिजनेस का होना भी बहुत आवश्यक है।

ऐसा माना जाता है कि दुनिया में इंसान का सबसे अच्छा मित्र पुस्तकें होती हैं। उसे पढकर वह ज्ञान तो प्राप्त करता ही है लेकिन अपने समय का सदुपयोग भी कर लेता है। इन पुस्तकों को वाचको तक पहुंचाने के लिए आजकल महानगर और शहरों में शापिंग मॉल्स में स्पेश बुक चेन खोल रखा है। इकॉनामी के नॉलेज का बढ़ता क्षेत्र को देखते हुए उन्हें इस व्यवसाय में भी अपार संभावनाएं है। इस व्यवसाय में एक लंबा चैनल कार्यरत है। लेखक पुस्तक तो लिख देता है लेकिन पाठकों तक पहुंचाने में एक लंबी प्रक्रिया काम करती है।

इस व्यवसाय में मुख्य रूप से बुक पब्लिशर, बुक डिजाइनर विक्रेता संम्पादक, पीआर वितरक और वाचक इन सबका समावेश रहता है। एक अच्छा जानकारी बहुत आवश्यक है। भारतीय बुक पब्लिशिंग इंडस्ट्री आज न सिर्फ देश तक समिति रही है बल्कि उसने अंतर्राष्टीय वाचकों तक भी पुस्तकें पहुंचाने का काम बहुत तेजी से किया है। आधुनिक तंत्रज्ञान के कारण आज प्रिटिंग के क्षेत्र में भी एक नई क्रांति ला दी है। जिस प्रकार इस डिजिटल युग में आज नई प्रिटिंग टेक्नालॉजी आ गई है, ठीक उसी प्राकर डिजायनिंग और वांइडिग के क्षेत्र में भी नए-नए आयाम उपलब्ध हैं। अब किसी भी व्यवसाय को बढ़ाने के लिए मार्केट के ट्रेंड को समझना बहुत आवश्यक होता है। इसके लिए अच्छा बिजनेस स्कील का होना भी बहुत आवश्यक है।

इस व्यवसाय में उतरने के लिए यदि आज का युवा आतुर है तो इसके लिए अभ्यासक्रम भी उपलब्ध है। भारत में कुछ संस्थाएं बुक पब्लिशिंग के लिए डिप्लोमा, डिग्री करना पड़ता है इस व्यवसाय की विशालता को देखते हुए शार्ट टर्म कोर्स भी आयोजित किया जाता है। इस क्षेत्र में युवा चाहें तो स्वंय का प्रकाशन व्यवसाय शुरू कर सकते हैं, या फिर किसी प्रतिष्ठित प्रकाशन संस्थान में नौकरी भी कर सकते हैं। इस क्षेत्र में हर माह आप सेलेरी के रूप में पन्द्रह हजार से लेकर एक लाख तक कमा सकते हैं। माल्स में भी बुक चेन में अनेक नौकरियां उपलब्ध हो सकती है। आज के इस डिजिटल युग में इस व्यवसाय की काफी डिमांड है। युवाओं को खासकर ऐसे युवा जो साहित्य में रुचि रखते हैं। जिन्हें पठन-पाठन का शौक है। अवश्य ही इस क्षेत्र को अपनी आजीविका का साधन बनाना चाहिए। मान-सम्मान पैसा सब कुछ हासिल हो सकता है।

किस-किस तरह के कोर्स

इंडस्ट्री में प्रोफेशनल्स और प्रशिक्षित लोगों की जरूरतों को देखते हुए देश के जाने-माने शिक्षण-संस्थानों में इससे संबंधित कोर्स चलाए जा रहे हैं। नेशनल बुक ट्रस्ट देश के कई हिस्सों में बुक पब्लिशिंग के रेगुलर कोर्स करवा रहा है। इग्नू ने एफआईपी के साथ मिल कर बुक पब्लिशिंग में पीजी डिप्लोमा का कोर्स शुरू किया है। कलकत्ता विश्वविद्यालय पब्लिशर्स एंड बुकसेलर्स गिल्ड ऑफ कोलकाता के साथ मिल कर पीजी डिप्लोमा इन बुक पब्लिशिंग स्टडीज कोर्स का संचालन कर रहा है।

योग्यता

पब्लिशिंग से जुड़े ज्यादातर कोर्सेज पोस्ट ग्रेजुएट स्तर पर कराए जाते हैं। अगर आप एडमिशन लेना चाहते हैं तो इसके लिए आपका ग्रेजुएट होना आवश्यक है। जिस तरह से विज्ञापन और क्रिएटिव इंडस्ट्री अपने पांव पसार रही है, उस लिहाज से आने वाले समय में इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। इन्टरनेट एवं प्लास्टिक केन्द्रित उत्पादों के आ जाने से इस क्षेत्र में प्रतियोगिता नए रूप में आरम्भ हो गई है। प्रकाशक की प्रकाशन के लिए प्राप्त सामग्री को ठीक से परखने की जिम्मेदारी है। उसमें यह विश्लेषण क्षमता होनी चाहिए कि जो सामग्री प्रकाशित की जा रही है, वह वर्तमान जरूरतों और भविष्य की संभावनाओं से दो-चार हो सकती है या नहीं।

विराट कोहली का पब फिर मुश्किल में घिरा BBMP ने जारी किया नोटिस

बंगलूरू, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली का बार नई मुश्किलों में घिर गया है। बंगलूरू में चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास स्थित वन 8 कम्यून पब एवं रेस्तरां को बृहत बंगलूरू महानगर पालिका (बीबीएमपी) ने नोटिस दिया है। दरअसल, अग्नि सुरक्षा उपायों को लागू नहीं करके उल्लंघन करने के लिए नोटिस दिया गया है।

यह है आरोप

सामाजिक कार्यकर्ता वेंकटेश ने अग्नि सुरक्षा उपायों में बरती जा रही लापरवाही की शिकायत निगम से की थी। इसी पर बीबीएमपी ने बार को नोटिस जारी किया। इस नोटिस में कहा गया है कि अग्नि सुरक्षा लागू नहीं की गई है। यहां तक कि अग्निशमन विभाग का प्रमाण पत्र प्राप्त नहीं किया है।

विराट कोहली के वन 8 कम्यून की दिल्ली, मुंबई, पुणे और कोलकाता जैसे बड़े शहरों में ब्रांच हैं। बंगलूरू वाला पब पिछले साल दिसंबर में खुला था। यह कस्तूरबा रोड पर रत्नम कॉम्प्लेक्स की छठी मंजिल पर स्थित है, जो एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास ही स्थित है।

जुलाई में मैनेजर के खिलाफ हुआ था मामला दर्ज

इससे पहले भी यह रेस्तरां चर्चाओं में आ चुका है। जुलाई में वन 8 कम्यून पब के मैनेजर पर पुलिस ने केस दर्ज किया था। आरोप था कि रात एक बजे बंद होने की समयसीमा के बाद भी यह बार खुला हुआ था और ग्राहकों को सर्व कर रहा था। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, रात में गश्त कर रहे सब-इंस्पेक्टर को खबर मिली थी कि वन 8 कम्यून बार देर रात तक चलता रहता है। जब सब-इंस्पेक्टर रात 1:20 बजे पहुंचे, तो उन्होंने पाया कि बार ग्राहकों को सेवा दे रहा है। इसके आधार पर एफआईआर दर्ज की गई। सूत्रों ने बताया कि तय समयसीमा के बाद भी खुले पाए गए तीन दूसरे पबों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई है।

न विराट कोहली और न रजत पाटीदार ऑलराउंडर कुणाल पांड्या बनेगा RCB का नया कप्तान !

नईदिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग के 18वें सीजन यानी आईपीएल 2025 का बिगुल बज चुका है. आगामी सीजन के लिए सभी टीमों ने कमर कस ली है. हालांकि, कुछ ऐसी टीमें भी हैं, जिन्होंने अब तक आईपीएल 2025 के लिए अपने कप्तान का एलान नहीं किया है. इसमें आईपीएल की सबसे चर्चित टीम आरसीबी भी शामिल है. कुछ मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया था कि विराट कोहली आईपीएल 2025 में एक बार फिर कप्तानी संभालेंगे. हालांकि, फिर रिपोर्ट आई कि आरसीबी की कमान रजत पाटीदार को मिलेगी, लेकिन अब कप्तान को लेकर एकदम नया अपडेट सामने आया है.

आरसीबी के कप्तान को लेकर कई तरह के दावे किए जा चुके हैं. कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि विराट कोहली एक बार फिर टीम की कमान संभालेंगे. वह आईपीएल 2025 में टीम के कप्तान होंगे, लेकिन इस बारे में न तो फ्रेंचाइजी ने कुछ कहा और न ही विराट कोहली ने. फिर कुछ दिन बाद एक नई रिपोर्ट सामने आई. इस बार दावे किए गए कि युवा बल्लेबाज रजत पाटीदार आईपीएल 2025 में आरसीबी के कप्तान होंगे. रजत पाटीदार सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी में मध्य प्रदेश के कप्तान थे. उनकी टीम फाइनल में भी पहुंची. ऐसे में उनके कप्तान बनने पर दावा और भी मजबूत हो गया था. आरसीबी के कप्तान को लेकर अब एक नया अपडेट सामने आया है. ताजा रिपोर्ट में कहा जा रहा है कि ऑलराउंडर क्रुणाल पांड्या आरसीबी के नए कप्तान होंगे.

शिवम दुबे ने भी दिखाया दम, सूर्या फेल

कर्नाटक ने टॉस जीतकर मुंबई को पहले बैटिंग करने के लिए बुलाया लेकिन ये फैसला उस भारी पड़ गया. हालांकि, मुंबई ने धीमी शुरुआत की थी और चौथे ही ओवर में अपना पहला विकेट गंवा दिया था. लेकिन अंडर-19 एशिया कप में जलवा बिखरने वाले आयुष म्हात्रे और हार्दिक तैमोर ने मिलकर 141 रन की साझेदारी की. आयुष ने 82 गेंद में 78 और हार्दिक ने 94 गेंद में 84 रन बनाकर टीम को संभाला.

वहीं अंत में कप्तान अय्यर के साथ शिवम दुबे ने बाउंड्री की झड़ी लगा दी. दुबे ने महज 36 गेंद में 175 के स्ट्राइक रेट से 63 रन ठोक दिए. हालांकि, सूर्यकुमार यादव बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे. वो 16 गेंद में 20 रन ही बना सके.

सिर्फ 50 गेंदों में शतक, श्रेयस अय्यर ने 10 छक्के जड़कर बरपाया कहर

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए ठोका दावा

नईदिल्ली, एजेंसी। श्रेयस अय्यर ने भारत के घरेलू वनडे टूर्नामेंट विजय हजारे ट्रॉफी में बल्ले से कहर बरपा दिया है. मुंबई के लिए कप्तानी करने वाले अय्यर ने कर्नाटक के गेंदबाजों की जमकर कुटाई की.

उन्होंने महज 50 गेंद में शतक ठोक दिया. अय्यर ने 55 गेंदों में 114 रनों की पारी खेली, जिसमें 10 छक्के और 5 चौके जड़े. उनकी इस पारी की बदौलत मुंबई की टीम ने पहली पारी में 382 रनों का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया. इसके साथ ही उन्होंने अगले साल पाकिस्तान की मेजबानी में होने वाले चैंपियंस ट्रॉफी के लिए अभी से टीम में दावा ठोक दिया है. शनिवार 21 दिसंबर से विजय हजारे ट्रॉफी की शुरुआत हो गई है. इसके पहले राउंड का मुकाबला चल रहा है, जिसमें 18 मुकाबले खेले जा रहे हैं. ग्रुप सी में मुंबई और कर्नाटक के बीच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम मुकाबला खेला गया. इस दौरान श्रेयस अय्यर का तूफान देखने को मिला. मुंबई के कप्तान 30वें ओवर में नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए. तब टीम ने 2 विकेट के नुकसान पर 148 रन बना लिए थे. अब पारी में महज 121 गेंदें बची हुई थीं. फिर अय्यर ने छक्के और चौकों के अंबार लगा दिए. अय्यर ने पहले 31 गेंद में फिफ्टी पूरी की. फिर अगली 19 गेंद में और 50 रन बना दिए. अंतिम 5 गेंदों पर अय्यर ने 14 रन बनाए.

इस तरह उन्होंने सिर्फ 55 गेंद का सामना किया और 207 के स्ट्राइक रेट से 114 रन ठोक दिए. इस दौरान अय्यर ने सिर्फ 13 गेंद डॉट खेली. उनकी पारी में 70 प्रतिशत रन बाउंड्री से आए.

भारतीय बैडमिंटन के लिए

निराशाजनक रहा यह साल

- पेरिस ओलंपिक से खाली हाथ लौटे थे खिलाड़ी

नईदिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट टीम के लिए साल 2024 जहां अच्छा रहा, वहीं भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों को निराशा मिली। पेरिस ओलंपिक में बैडमिंटन में भारत का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था और इस स्पर्धा में खिलाड़ी एक भी पदक हासिल नहीं कर सके थे। यहां तक कि 2016 रियो ओलंपिक और टोक्यो 2020 में पदक जीतने वाली महिला एकल खिलाड़ी पीवी सिंधू भी पदक नहीं जीत सकी थीं, जबकि पुरुष एकल में लक्ष्य सेन कांस्य पदक हासिल करने से चूक गए थे।

सात्विक-चिराग ने छोड़ी अमिट छाप

सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की शानदार जोड़ी ने हालांकि भारतीय बैडमिंटन में एक अमिट छाप छोड़ी, लेकिन यह भारतीय जोड़ी भी पेरिस ओलंपिक से खाली हाथ लौटी। सात्विक और चिराग के लिए अच्छा और बुरा दोनों समय रहे क्योंकि यह जोड़ी चार फाइनल में पहुंची और दो खिताब जीते जिससे ऐतिहासिक ओलंपिक पदक की उम्मीद जगी। लेकिन पेरिस ओलंपिक में क्वार्टर फाइनल से बाहर होने के साथ उनका अभियान निराशा में समाप्त हो गया था। एशियाई खेलों के चैंपियन ने फ्रेंच ओपन सुपर 750 और थाईलैंड सुपर 500 में खिताब जीतकर दुनिया की शीर्ष जोड़ियों में अपना दर्जा मजबूत किया। यह जोड़ी मलेशिया सुपर 1000 और इंडिया सुपर 750 में उपविजेता रही, लेकिन आठ साल में दूसरी दफा ओलंपिक जीतने का सपना पूरा नहीं हो पाया।

सिंधू ने सैयद मोदी खिताब जीतकर सूखा समाप्त किया

भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू के लिए साल निराशाजनक रहा। उन्होंने अपने कोचिंग स्टाफ में कई बदलाव किए और महान बैडमिंटन खिलाड़ी प्रकाश पादुकोण के मार्गदर्शन में ट्रेनिंग के लिए बंगलूरु चली गईं। लेकिन उनका टूर्नामेंट के शुरूआत में बाहर होना जारी रहा जिससे उनकी फॉर्म और फिटनेस से संघर्ष उजागर हुआ। वह मलेशिया मास्टर्स के फाइनल में पहुंची लेकिन तीसरा ओलंपिक पदक जीतने का सपना प्री क्वार्टर फाइनल में मिली हार से खत्म हो गया। हालांकि इस 29 साल की खिलाड़ी ने अपना सत्र सैयद मोदी इंटरनेशनल खिताब जीतकर समाप्त किया और वह इस महीने के अंत में परिणय सूत्र में बंधने के लिए तैयार हैं।

ओलंपिक पदक से चूके थे लक्ष्य

लक्ष्य सेन के लिए यह बहुत करीब और फिर भी दूर का मामला रहा।

शूटिंगः

सुरुचि का राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप में दबदबा

10 मीटर एयर पिस्टल में जीते तीन स्वर्ण

नईदिल्ली, एजेंसी। हरियाणा की युवा निशानेबाज सुरुचि ने शुक्रवार को 67वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप में अपना दबदबा कायम किया और देश के प्रसिद्ध निशानेबाजों के बीच 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में तीन स्वर्ण पदक जीते। सुरुचि ने कर्णी सिंह रेंज में सीनियर, जूनियर और यूथ तीनों वर्गों में स्वर्ण पर निशाना साधा। यह वही इवेंट है, जिसमें मनु भाकर ने पेरिस ओलंपिक में पदक जीता था।

ओलंपियन रिदम सांगवान को पीछे छोड़ा

झज्झर की सुरुचि क्वालिफाइंग दौर में 585 का स्कोर कर शीर्ष पर रहकर फाइनल में पहुंचीं। उन्होंने सीनियर वर्ग में 243.1 का स्कोर ओलंपियन रिदम सांगवान को परास्त किया और राष्ट्रीय चैंपियनशिप के सीनियर वर्ग में अपना पहला खिताब जीता।। महाराष्ट्र की कृष्नाली राजपूत तीसरे स्थान पर रहीं। जूनियर वर्ग के फाइनल में जूनियर विश्व चैंपियन संयम ने उन्हें कड़ी टक्कर दी। यहां उन्होंने 245.1 के स्कोर के साथ स्वर्ण और संयम ने रजत जीता।

सुरुचि ने इसे जीवन का यादगार पल बताया

यूथ के फाइनल में उन्हें यूपी की संस्कृति बाना और हांगझोऊ एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता पलक से कड़ी टक्कर मिली।

यहां, संस्कृति को रजत और पलक को कांस्य मिला। पांच वर्ष पहले शूटिंग शुरू करने वाली सुरुचि ने कहा, यह उनके जीवन का सबसे यादगार पल है। उन्होंने पहली बार राष्ट्रीय चैंपियनशिप का स्वर्ण जीता, लेकिन तीन स्वर्ण ने इसे और खास बना दिया।

मनु भाकर से है नाता

सुरुचि ने पांच साल पहले झज्जर के उसी रेंज पर अपने करियर की शुरुआत की जहां पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतने वाली मनु भाकर ने अपने शुरुआती दिनों में निशानेबाजी सीखी थी। इस स्पर्धा में कई अनुभवी निशानेबाज भाग ले रहे थे जिनमें ओलंपियन रिदम सांगवान, एशियाई खेलों की मौजूदा चैंपियन पलक, अंतरराष्ट्रीय निशानेबाज दिव्या टीएस और जूनियर विश्व चैंपियन सान्याम शामिल थीं। सुरुचि ने फाइनल में शुरू से लेकर आखिर तक अपना दबदबा बनाए रखा।

लाखों की धोखाधड़ी मामले में आया क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा का नाम, जारी हुआ अरेस्ट वारंट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा एक बड़ी मुश्किल में फंसते हुए नजर आ रहे हैं। रॉबिन उथप्पा के खिलाफ लाखों के धोखाधड़ी मामले में अरेस्ट वारंट जारी किया गया है। टीम इंडिया के इस पूर्व क्रिकेटर पर प्रोविडेंट फंड में घोटाले का आरोप लगा है। ईपीएफओ के आयुक्त सदाक्षरी गोपाल रेड्डी द्वारा जारी किए गए वारेंट के आधार पर पुलकेशीनगर पुलिस को तत्काल कार्रवाई का निर्देश दिया गया है।

दरअसल उथप्पा पर यह आरोप उन्ही के कंपनी के कर्मचारियों ने लगाया है। दरअसल रॉबिन उथप्पा सेंचुरीज लाइफस्टाइल ब्रांड प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में हिस्सेदार हैं और मैनेजमेंट का उनके जिम्मे हैं। कंपनी के कर्मचारियों ने आरोप लगाया है कि हर महीने कंपनी की तरफ से पीएफ के पैसे काटे गए ये ईपीएफओ अकाउंट में वह जमा ही नहीं किए हैं। यह पूरी रकम 23 लाख बताई जा रही है।

साउथ अफ्रीका के स्टार खिलाड़ी को आईसीसी ने सुनाई सजा

नईदिल्ली, एजेंसी। साउथ अफ्रीका और पाकिस्तान के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली जा रही है। इस सीरीज के पहले दो मुकाबलों को पाकिस्तान की टीम ने अपने नाम कर लिया है। वहीं इस सीरीज में 2-0 से पीछे चल रही साउथ अफ्रीका की टीम को एक और तगड़ा झटका लगा है। दरअसल साउथ अफ्रीका के एक खिलाड़ी को आईसीसी की तरफ से फटकार लगाई गई है। यह खिलाड़ी कोई और नहीं बल्कि हेनरिक क्लासेन हैं। हेनरिक क्लासेन पर गुरुवार को पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज़ के दूसरे वनडे के दौरान आईसीसी आचार संहिता के उल्लंघन के लिए जुर्माना लगाया गया है।

क्लासेन पर लेवल 1 के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।

चेसः ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी ने अमेरिका से लगाई गुहार, विश्व रैपिड चैंपियनशिप के लिए वीजा देने की मांग

नईदिल्ली, एजेंसी। विश्व नंबर चार अर्जुन ने विदेश मंत्री एस जयशंकर, केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया और अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) से भी उन्हें वीजा जारी कराने के लिए मदद की गुहार लगाई है। भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी को विश्व रैपिड और ब्लिट्ज शतरंज चैंपियनशिप के लिए अमेरिका ने अब तक वीजा जारी नहीं किया है और उन्होंने इसके लिए अमेरिका से गुहार लगाई है। यह चैंपियनशिप 26 से 31 दिसंबर तक न्यूयॉर्क में होने जा रही है। चैंपियनशिप में एक सप्ताह से भी कम समय बाकी होने के कारण अर्जुन ने अमेरिकी दूतावास गुहार लगाई है कि उन्हें जल्द से जल्द वीजा जारी किया जाए, जिससे वह इस चैंपियनशिप में खेल सकें। विश्व नंबर चार अर्जुन ने विदेश मंत्री एस जयशंकर, केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया और अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) से भी उन्हें वीजा जारी कराने के लिए मदद की गुहार लगाई है।

मौनी रॉय ने अपने आगामी प्रोजेक्ट सलाकार की बीटीएस झलक के साथ फैंस को दिया सरप्राइज़

मौनी रॉय ने सोशल मीडिया पर एक रोमांचक घोषणा से अपने प्रशंसकों को रोमांचित कर दिया है। एंटरप्रेन्योर-अभिनेत्री ने अपने आगामी प्रोजेक्ट सलाकार के सेट से पर्दे के पीछे की तस्वीरें साझा कीं। पोस्ट में क्लैपबोर्ड की एक तस्वीर दिखाई गई, जिसमें वह निर्देशक फारुक कबीर के साथ पोज दे रही हैं, और एक सेट पर उनके कैंडिड मोमेंट की झलक भी दी गई। पोस्ट को कैप्शन देते हुए मौनी ने लिखा, मेस्ट्रो और म्यूज तैयार हो जाइए 2025 के लिए #हैप्पीस्टोनसेट अभिनेत्री ने उनके अनुयायियों को प्रत्याशा से भर दिया। फैंस अपनी उत्तेजना व्यक्त करते हुए इस प्रोजेक्ट और मौनी की भूमिका के बारे में अनुमान लगा रहे हैं।

संभावना सेठ का हुआ मिसकैरेज

संभावना सेठ ने अपनी गर्भावस्था के आखिरी तीन महीनों में 65 से अधिक इंजेक्शन लेने के बाद भी उनका मिसकैरेज हो गया, जिससे वह बेहद दुखी हैं और उन्होंने अपने दुख को सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किया है। अभिनेत्री संभावना सेठ ने खुलासा किया कि हाल ही में प्रेगनेंसी की पहली तिमाही के दौरान उनका मिसकैरेज हो गया था। संभावना और उनके पति अविनाश माता-पिता बनने की उम्मीद कर रहे थे।

संभावना ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपने गर्भपात की दिल दहला देने वाली खबर साझा की है। संभावना के पति अविनाश ने कहा, लंबे समय से हम इसका सामना कर रहे हैं और यह फिर से हुआ है। संभावना गर्भवती थी। यह उसका तीसरा महीना था। आज स्कैन हुआ और हमें उम्मीद थी कि हम सभी को इसकी घोषणा करेंगे। सब कुछ ठीक था और हम बहुत खुश थे कि यह सफल होगा। बच्चे की धड़कन तो थी, लेकिन हाल ही में किए गए स्कैन में डॉक्टरों को दिल की धड़कन नहीं मिली। कोई भी यह पता नहीं लगा सका कि ऐसा क्यों हुआ। संभावना भी भावुक हो गईं और उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने बच्चे को बचाने के लिए हर संभव कदम उठाया। उन्होंने बताया कि गर्भावस्था के आखिरी तीन महीनों में उन्हें 65 से यादा इंजेक्शन लगे। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता था कि मुझे इतने सारे इंजेक्शन लेने पड़ेंगे। यह बहुत दर्दनाक था।

संक्षिप्त समाचार

फर्जी सीबीआई अफसर, रेप केस और 5 लाख की वसूली

नई दिल्ली, एजेंसी। पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है, जो सीबीआई अधिकारी बनकर लोगों के साथ जालसाजी करते थे। पुलिस ने उनसे 5 मोबाइल फोन और 2 डेबिट कार्ड बरामद किए हैं। आरोपियों के बैंक खातों को भी फ्रीज कर दिया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को कहा कि सीबीआई अधिकारी बनकर एक परिवार से 5 लाख रुपये की ठगी करने वाले तीन साइबर जालसाजों को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपियों की पहचान 28 साल के सतीश कुमार यादव, 34 साल के सुनील कुमार और 27 साल के शिवम के रूप में हुई है। तीनों को गुरुवार को गुरुग्राम से पकड़ा गया। दक्षिण दिल्ली के डीसीपी अंकित चौहान ने बताया दक्षिणी दिल्ली के सीआर पार्क की एक महिला ने शिकायत दर्ज कराई कि उसके पति को एक व्यक्ति से एक मैसेज मिला। इसमें दावा किया गया कि वह सीबीआई इंस्पेक्टर है। जालसाज ने आरोप लगाया कि उनका बेटा रेप के मामले में शामिल था। जालसाज ने उसकी रिहाई के लिए 5 लाख रुपये की मांग की थी। अधिकारी ने कहा कि घबराहट में परिवार ने रकम ट्रांसफर कर दी। बाद में पता चला कि उनका बेटा सुरक्षित और निर्दोष है। मामले में केस दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। डीसीपी ने कहा कि पैसे के लेनदेन के विश्लेषण से पता चला कि धोखे से हासिल की गई रकम को पहचान से बचाने के लिए बीकानेर और जयपुर के कई बैंक खातों में ट्रांसफर किया गया था। पुलिस टीम ने संदिग्धों का पता लगाया और उन्हें गुरुग्राम से पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने अपने अपराध कबूल कर लिए। पुलिस ने कहा कि यादव ने खच्चर खातों की व्यवस्था करके घोटाले को अंजाम दिया, जबकि कुमार और शिवम ने व्यक्तिगत खर्चों और क्रेडिट कार्ड भुगतान के लिए धन का इस्तेमाल किया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने उनसे पांच मोबाइल फोन, दो डेबिट कार्ड बरामद किए हैं।

अस्पताल के टॉयलेट में महिला डॉक्टर का गंदा वीडियो बना रहा था युवक, तभी बज गई फोन की बेल

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में द्वारका जिले के एक सरकारी अस्पताल में महिला टॉयलेट की खिड़की से एक युवक द्वारा अपने मोबाइल फोन में महिला डॉक्टर का अश्लील वीडियो बनाने का मामला सामने आया है। रंगे हाथ पकड़े गए आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी का मोबाइल फोन जब्त कर जांच के लिए भेज दिया है। गुरुवार को एक युवक जाफरपुर कलां स्थित राव तुलाराम मेमोरियल अस्पताल में महिला टॉयलेट की खिड़की से अपने फोन में एक महिला ट्रेनी डॉक्टर का अश्लील वीडियो बना रहा था। उसकी इस हरकत का पता तब चला, जब वीडियो बनाने के दौरान अचानक आरोपी के मोबाइल फोन की घंटी बज गई और इसकी भनक अंदर मौजूद महिला डॉक्टर को लग गई। उसके बाद वहां मौजूद लोगों ने आरोपी को रंगे हाथ पकड़ लिया और उसकी जमकर पिटाई कर दी। इसके बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी का मोबाइल फोन भी जब्त कर लिया है। मोबाइल फोन की जांच के लिए उन्हें एफएसएल भेज दिया गया है। पुलिस पकड़े गए आरोपी से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। पुलिस के मुताबिक, गुरुवार दोपहर करीब 12:30 बजे जाफरपुर कलां थाना पुलिस को राव तुलाराम स्मारक अस्पताल से महिला टॉयलेट में वीडियो बनाने वाले को पकड़ने के बारे में पीसीआर कॉल मिली। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस को मौके पर पहुंचने के बाद पता चला कि आरोपी टॉयलेट बाहर खड़ा होकर एक खिड़की से हाथ अंदर डालकर मोबाइल फोन से वीडियो बना रहा था। इसी दौरान उसके फोन की घंटी बज गई और शौचायल में मौजूद महिला ट्रेनी डॉक्टर को वीडियो बनाए जाने के बारे में पता चल गया। इसके बाद लोगों ने उसकी जमकर पिटाई कर दी। पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया और उसका फोन जब्त कर लिया। वहीं, दिल्ली के अशोक विहार में एक युवती की अश्लील फोटो किसी ने उसके भाई और दोस्तों को भेज दीं। पीड़िता ने उत्तर-पश्चिम जिला साइबर पुलिस स्टेशन में इसको लेकर शिकायत दी है। उसने एक युवक पर शक जताया है, जिससे उसकी शादी की बात चल रही थी, लेकिन किसी कारणवश युवती ने शादी से इनकार कर दिया। फेसबुक के जरिये ये फोटो भेजी गई हैं। फिलहाल पुलिस ने आईटी एक्ट की धारा में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वीकेंड पर कोहरा करेगा परेशान

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली की जहरीली और दमघोंटू हवा में सांस ले रहे दिल्लीवालों को फिलहाल प्रदूषण के कहर से राहत मिलने के आसार नहीं हैं। राजधानी में शनिवार, 21 दिसंबर को वायु गुणवत्ता जहरीली रही, नेहरू नगर में औसत एक्यूआई चिंताजनक 434 अंक पर पहुंच गया, जो गंभीर श्रेणी में है। इसका मुख्य कारण पीएम 2.5 है। यह वह छोटे, खतरनाक कण हैं, जो फेफड़ों में गहराई तक जा सकते हैं और यहां तक कि रक्तप्रवाह में भी प्रवेश कर सकते हैं, जिससे गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा हो सकते हैं।

दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के कुछ हिस्से शनिवार को धुंध की मोटी परत से ढके रहे। शहर भर में 36 निगरानी स्टेशनों में से 20 ने शनिवार को सुबह 8 बजे वायु गुणवत्ता को गंभीर श्रेणी में बताया। ये स्तर वायु गुणवत्ता में उल्लेखनीय गिरावट को दर्शाते हैं, जिसे बच्चों, बुजुर्गों और सांस या हृदय संबंधी बीमारियों से पीड़ित लोगों जैसी संवेदनशील आबादी के जीवन के लिए खतरा माना जाता है। शुक्रवार को वायु गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में रही। वहीं 24 घंटे का औसत एक्यूआई 429 रहा। शनिवार सुबह 10 बजे नोएडा में एक्यूआई 247, ग्रेटर नोएडा में 219,

गाजियाबाद में 350, गुरुग्राम में 342 और फरीदाबाद 328 दर्ज किया गया। दिल्ली के द्वारका सेक्टर-8 में 410, पूसा में 400, एनएसआईटी द्वारका में 289, नॉर्थ कैंपस में 373, पंजाबी बाग में 406, आरके पुरम में 410, मुंडका में 421, मंदिर मार्ग में 380, श्री अरबिंदो मार्ग में 383, लोधी रोड में 357, वजीरपुर में 421, आईटीओ में 370, आया नगर में 350, रोहिणी में 422, नेहरू नगर में 430, आनंद विहार में 414 और अशोक विहार में 423 दर्ज किया गया। दिल्ली की खराब वायु गुणवत्ता लगातार चिंता का विषय बनी हुई है। सर्दियों में खराब वेंटिलेशन और हवा की कम गति के कारण और भी अधिक गंभीर हो जाती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों और अधिकारियों ने लोगों को बाहरी गतिविधियों से बचने की सलाह दी है, खासतौर से बच्चों, बुजुर्गों और सांस संबंधी बीमारियों से पीड़ित लोगों को। दूसरी ओर मौसम विभाग ने वीकेंड पर घने कोहरे का अनुमान जताया है, जिससे विजिबिलिटी और खराब हो सकती है। वहीं वायु गुणवत्ता और खराब हो सकती है।

दिल्ली में बिना सीएम फेस के चुनाव में उतरेगी भाजपा

नई दिल्ली, एजेंसी।
भाजपा दिल्ली विधानसभा चुनाव में बिना मुख्यमंत्री के चेहरे के मैदान में उतरेगी। पार्टी अपने उम्मीदवारों के नामों को इस माह के अंत तक अंतिम रूप देने की तैयारी में है। अभी पार्टी राज्य स्तर पर उम्मीदवारों के नाम पर विचार कर रही है। इसके बाद इन नामों को केंद्रीय चुनाव समिति के सामने लाया जाएगा। साथ ही चुनाव में भ्रष्टाचार और कुशासन के मुद्दे पर भाजपा आम आदमी पार्टी (आप) का घेराव करेगी।

फरवरी में होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। संसद सत्र समाप्त होने के बाद सभी प्रमुख दल इन चुनाव की तैयारी में जुट गए हैं। कांग्रेस और 'आप' ने तो अपने कई उम्मीदवारों के नामों की घोषणा भी कर दी है, जबकि भाजपा में अभी उम्मीदवारों के चयन की कवायद चल रही है। अभी भाजपा की प्रदेश चुनाव समिति सभी 70 विधानसभा क्षेत्र के उम्मीदवारों को लेकर रायशुमारी कर रही है। राज्य चुनाव समिति द्वारा अपनी सूची बनाए जाने के बाद इसको केंद्रीय चुनाव समिति

के सामने लाया जाएगा। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि इस माह के अंत तक केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक हो सकती है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में केवल 70 सीटों के लिए ही चुनाव होने हैं इसलिए एक ही बैठक में सभी नाम पर विचार कर लिया जाएगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया है कि भाजपा चुनाव में सामूहिक नेतृत्व में जाएगी और किसी एक चेहरे को बतौर मुख्यमंत्री पेश नहीं करेगी। भाजपा नई दिल्ली सीट पर अरविंद केजरीवाल के खिलाफ मजबूत उम्मीदवार उतारेगी। कांग्रेस ने इस सीट से संदीप दीक्षित को टिकट दिया है। चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी को भ्रष्टाचार और कुशासन के मुद्दे पर कठघरे में खड़ा करेगी। पार्टी अरविंद केजरीवाल के जेल जाने से लेकर कथित शराब घोटाले और उसके कई मंत्रियों के जेल जाने को भ्रष्टाचार से जोड़कर मुद्दा बनाएगी।

दिल्ली में हथियारों संग दिखाया टशन तो होगा ऐक्शन, सोशल मीडिया पर पुलिस की पैनी नजर

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली में अब जो लोग टशन दिखाने, अपराधियों से प्रभावित होकर, पड़ोस में डर, इलाके में दबदबा आदि बनाने के इरादे से सोशल मीडिया पर हथियार के साथ तस्वीर डालेंगे, उनके खिलाफ पुलिस कार्रवाई करेगी। दरअसल, जून में पुलिस ने ऑपरेशन फ्लश आउट शुरू किया था, जिसका मकसद लोगों, खासतौर से नाबालिगों में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर हथियार दिखाने की बढ़ती प्रवृत्ति से निपटना था। पिछले साढ़े चार महीनों में 55 लोगों को गिरफ्तार किया गया और कई नाबालिग लड़कों को सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो और रील पोस्ट करने के आरोप में पकड़ा गया है।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने 35 अवैध हथियार, देशी और सेमी ऑटोमैटिक पिस्टल और 11 ड्रैगन चाकू बरामद किए हैं। गिरफ्तारी और आरोपियों को पकड़ने के अलावा, टीमों ने ज्यादा

से ज्यादा संदिग्धों की पहचान करने के लिए वयस्कों और किशोरों के 10,000 से अधिक सोशल मीडिया प्रोफाइल को भी स्कैन किया है। पुलिस को कम से कम 600 ऐसे अकाउंट मिले हैं जिनमें आपत्तिजनक वीडियो, तस्वीरें और रील थे, जिनकी रिपोर्ट संबंधित सर्विस प्रोवाइडर को दी गई है। तीन दिसंबर को सोशल मीडिया पर एक 20 साल के युवक और एक नाबालिग लड़के की तस्वीरें सामने आईं, जिसमें वे दोनों देसी पिस्तौल लहराते हुए दिखाई दिए। पुलिस ने दक्षिणी दिल्ली के साकेत के पास से उस व्यक्ति और नाबालिग को गिरफ्तार कर लिया। दोनों ने कथित तौर पर कबूल किया कि वे वर्चस्व की छवि बनाने, अपने पड़ोस में लोगों को डराने और दिल्ली एवं आसपास के राज्यों में सक्रिय गिरोहों का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश कर रहे थे। वे स्थानीय अपराधियों और गैंग-थीम वाली फिल्मों से प्रभावित थे।

पांच नवंबर को पुलिस ने दक्षिण दिल्ली के जैतपुर से दो भाइयों और उनके रिश्तेदारों को गिरफ्तार किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो अपलोड किया था जो बाद में वायरल हो गया। दो पिस्तौल जैसे दिखने वाले हथियारों का इस्तेमाल कर रहे थे। पुलिस ने उन वस्तुओं को जब्त कर लिया, जो खिलौना बंदूकें निकलीं। इन्हें तीनों ने पटाखे फोड़ने के लिए चांदनी चौक से खरीदा था। 24 सितंबर को, दक्षिण जिला पुलिस ने एक 19 साल के लड़के को गिरफ्तार किया, जिसने अंबेडकर नगर में स्थानीय अपराधियों से प्रेरित होकर कथित तौर पर पिस्तौल दिखाते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर 2200 से ज्यादा हमले, दो दिन में ही तीन मंदिरों में तोड़फोड़; मूर्तियां खंडित

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में हिंदू मंदिरों पर हमले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। अब मैमनसिंह और दिनाजपुर में बदमाशों ने दो दिन के भीतर तीन हिंदू मंदिरों में आठ मूर्तियों को खंडित कर दिया है। शुक्रवार को एक खबर में यह जानकारी दी गई। 'डेली स्टार' समाचार पत्र के अनुसार पुलिस ने एक मंदिर में तोड़फोड़ के सिलसिले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। मैमनसिंह के हलुआघाट उप-जिले में बृहस्पतिवार और शुक्रवार की सुबह दो मंदिरों की तीन मूर्तियों को खंडित कर दिया गया।

मंदिर सूत्रों और स्थानीय लोगों के हवाले से हलुआघाट पुलिस थाने के प्रभारी अधिकारी (ओसी) अबुल खैर ने बताया कि शुक्रवार तड़के बदमाशों ने हलुआघाट के शाकुआई संघ स्थित बोंदरपारा मंदिर की दो मूर्तियों में तोड़फोड़ की। उन्होंने बताया कि इस घटना में अभी तक कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है और न ही कोई गिरफ्तारी हुई है। अपराधियों ने गुरुवार की तड़के एक अन्य घटना में हलुआघाट के बेलडोरा संघ में पोलाशकंद काली मंदिर में एक मूर्ति को खंडित कर दिया। पुलिस ने शुक्रवार को पोलाशकंद गांव के 27 वर्षीय एक व्यक्ति को उसकी कथित संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तार किया है। ओसी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए अलालउद्दीन ने पूछताछ के दौरान अपना अपराध कबूल कर लिया। इससे पहले गुरुवार को पोलाशकंद काली मंदिर समिति के अध्यक्ष सुवाश चंद्र सरकार ने अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज कराया था।

संसद में सरकार ने क्या कहा

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार से जुड़े एक सवाल का लिखित जवाब देते हुए विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्द्धन सिंह ने कहा कि इस साल बांग्लादेश में 2200 से ज्यादा ऐसे केस सामने आ चुके हैं। पाकिस्तान और बांग्लादेश को छोड़ दें तो अन्य किसी पड़ोसी देश में हिंदुओं को नहीं सताया गया है। उन्होंने कहा कि इन घटनाओं को लेकर सरकार ने बांग्लादेशी सरकार को संदेश दिया है कि वे अपने देश में हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

पुतिन बोले- पोर्न का युग खत्म, कुछ और मजेदार लाओ !

मास्को एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पोर्न साइट्स पर प्रतिबंध लगाने को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि केवल प्रतिबंध लगाने से समस्या हल नहीं होगी, बल्कि हमें पोर्न से भी अधिक आकर्षक और उपयोगी विकल्प तलाशने होंगे, जो लोगों का ध्यान खींच सकें। राष्ट्रपति पुतिन के इस बयान ने नई बहस छेड़ दी है। सवाल यह है कि क्या दुनिया पोर्न पर प्रतिबंध लगाकर इसके विकल्प को अपनाने के लिए तैयार है? और अगर ऐसा होता है, तो ये विकल्प किस तरह के होंगे?

रूसी टीवी चैनल को दिए गए इंटरव्यू में पुतिन ने कहा, पोर्न साइट्स पूरी दुनिया में देखी जाती हैं। यह सिर्फ रूस का मुद्दा नहीं है, बल्कि वैश्विक समस्या है। हमें ऐसी चीजें विकसित करनी होंगी, जो पोर्न से भी ज्यादा दिलचस्प और भावुक हों। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रतिबंध के साथ-साथ ऐसे विकल्प तैयार करना जरूरी है, जो दर्शकों की रुचि को सही दिशा में ले जाएं। रूस पहले से ही पोर्न साइट्स पर प्रतिबंध लगा चुका है। 2016 में रूस ने पोर्न साइट्स पर व्यापक प्रतिबंध लगाए थे। चीन और उत्तर कोरिया जैसे देशों की तरह, रूस में भी इंटरनेट पर सरकारी नियंत्रण है।

गूगल जैसे अंतरराष्ट्रीय प्लेटफॉर्म्स भी प्रतिबंधित हैं। पुतिन ने अपने बयान में यह स्पष्ट नहीं किया कि वह किस तरह के विकल्प की बात कर रहे हैं। लेकिन यह संभावना जताई जा रही है कि यह विकल्प मनोरंजन, शिक्षा, या प्रेरणादायक कंटेंट से जुड़ा हो सकता है। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में यह

समस्या है और हमें इसे गंभीरता से लेना होगा। हाल ही में एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि रूस में लड़ने आए उत्तर कोरियाई सैनिकों को पोर्न की लत लग गई है। यह खबर चर्चा में रही, लेकिन इस पर रूस ने कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी। रूस, चीन और उत्तर कोरिया जैसे देशों में पोर्न बैन के चलते यह मुद्दा सिर्फ एक राष्ट्रीय बहस तक सीमित नहीं रहा। इंटरनेट पर नियंत्रण और व्यक्तिगत आजादी के सवाल भी इस चर्चा का हिस्सा बन गए हैं।

सिंगापुर में प्रतिद्वंद्वी समूह के सदस्य को चोट पहुंचाने के लिए भारतीय मूल के व्यक्ति को जेल की सजा

सिंगापुर , एजेंसी। सिंगापुर में प्रतिद्वंद्वी गिरोह के सदस्य को जानबूझकर चोट पहुंचाने का अपराध स्वीकार करने के बाद भारतीय मूल के एक व्यक्ति को छह सप्ताह की जेल की सजा सुनाई गई है। द स्ट्रेट टाइम्स'' की खबर के अनुसार विष्णु सूर्यमूर्ति पर अवैध रूप से जुआ खेलने से जुड़ा एक अलग अपराध स्वीकार करने के बाद 2,000 सिंगापुरी डॉलर का जुर्माना भी लगाया है। विष्णु के समूह से जुड़े एक सदस्य अरवेन पाचान पिल्लई सुकुमार पर 20 अगस्त 2023 को ऑर्चर्ड रोड के पास सुबह करीब छह बजे कहासुनी के बाद मोहम्मद इशरत मोहम्मद इस्माइल (29) की हत्या का आरोप लगाया गया है। भारतीय मूल के ही सुकुमारन (30) के खिलाफ दर्ज मामला फिलहाल अदालतों में विचाराधीन है। सुकुमारन ने कथित तौर पर इस्माइल का चाकू छीनकर उसपर कई बार वार किए थे। विष्णु को जानबूझकर चोट पहुंचाने के लिए 2022 में दो बार जेल भेजा गया था। न्यायाधीश ओंग लुआन त्जे ने उक्त तथ्य को ध्यान में रखते हुए विष्णु को सजा सुनाई और कहा, आप अब भी युवा हैं... यह सोचने के लिए कुछ समय लें कि आप अपना भविष्य कैसा चाहते हैं, और इस मामले के बाद, अदालत में वापस न आने पर गंभीरता से विचार करें। विष्णु ने इलाज के लिए खुद को एक अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां से पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया था।

पुतिन को धोखा दे रहे किम जोंग ! उत्तर कोरियाई सैनिक जंग में यूक्रेनियों के बजाय रूसियों को उतार रहे मौत के घाट

सियोल , एजेंसी। रूस-यूक्रेन युद्ध में एक नया मोड़ सामने आया है। उत्तर कोरिया, जो रूस का समर्थन करने के लिए अपने सैनिक यूक्रेन भेज रहा है, अब खुद रूस के लिए सिरदर्द बन गया है। खबरों के मुताबिक, उत्तर कोरियाई सैनिक गलती से रूसियों को ही मौत के घाट उतार रहे हैं। यूक्रेनी खुफिया विभाग (॥) की रिपोर्ट के अनुसार, भाषा और रंग को लेकर गलतफहमी के कारण उत्तर कोरियाई सैनिक यूक्रेनियों की बजाय रूसी सैनिकों पर हमला कर रहे हैं। ताजा घटना रूस के कुर्स्क क्षेत्र में सामने आई, जहां उत्तर कोरियाई सैनिकों ने 8 रूसी सैनिकों को मार डाला। यह क्षेत्र रूसी सेना के लिए रणनीतिक रूप से अहम है, जहां वे फिर से कब्जा करने की कोशिश कर रहे थे।

रूस और उत्तर कोरिया के बीच सैनिकों की पहचान के लिए कोड और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण दिए गए हैं। लेकिन उत्तर कोरियाई सैनिक इन तकनीकों का सही इस्तेमाल नहीं कर पा रहे हैं। उत्तर कोरिया में आधुनिक तकनीक और इंटरनेट का उपयोग सीमित है। इसी कारण, कोरियाई सैनिकों को तकनीकी मदद लेने में दिक्कत हो रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रूसी इंटरनेट का असीमित उपयोग करने से कुछ उत्तर कोरियाई सैनिक पोर्न की लत का शिकार हो गए हैं। यह उनकी मानसिक स्थिति और युद्ध में प्रदर्शन को प्रभावित कर रहा है।

यूक्रेन में रूस का सहयोग करने के बजाय, उत्तर कोरियाई सैनिक अब उसकी परेशानियाँ बढ़ा रहे हैं। इस गलती से रूस का युद्ध में मनोबल और रणनीति दोनों प्रभावित हो रहे हैं। रूसी सेना ने इन घटनाओं पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। लेकिन अगर यह सिलसिला जारी रहा, तो यह रूस और उत्तर कोरिया के गठबंधन के लिए बड़ी समस्या बन सकता है। यूक्रेन में रूस-उत्तर कोरिया का गठबंधन उनके लिए एक बड़ी चुनौती बन चुका है। सैनिकों की पहचान में गलतफहमियाँ और तकनीकी कमजोरियाँ इस युद्ध के परिणाम को अप्रत्याशित रूप से बदल सकती हैं।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय
कार्यालय पताः-एच. 21 अंकित अपार्टमेंट ब्रजेश्वरी एनएक्स, इंदौर मध्यप्रदेश मोः- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा। डाक पंजीकरण संख्या-MP/IDC/1619/2024-2026

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।